RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●01 मई , 2024 वर्षः-12 अंक - 3 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक का खतरा

ब्रिटिश कंपनी ने कोर्ट में माना, भारत में इसी फॉर्मूले से बनी कोवीशील्ड के 175 करोड़ डोज लगे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत रेयर (दुर्लभ) मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश मीडिया टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उनकी वैक्सीन से कई लोगों की मौत हो गई। वहीं कई अन्य को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उनकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी ञ्झस् हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। अप्रैल 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे। पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से अटैक नहीं हो सकता है। इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए कानून दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। इन दस्तावेजों की जानकारी अब सामने आई है। हालांकि, वैक्सीन में किस चीज की वजह से यह बीमारी होती है, इसकी जानकारी फिलहाल कंपनी के पास नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा...

- नौसेना की कमान संभालने के बाद बोले एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्र में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के रिटायर होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को हर समय तैयार रहना होगा।

अमित शाह फेक वीडियो केस

असम के बाद अब अहमदाबाद से 2 लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। अमित शाह फेक वीडियो केस में मंगलवार को गुजरात के अहमदाबाद से 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी का पीए और दूसरा एपी कार्यकर्ता है। इस केस में सोमवार को भी असम से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। फेक वीडियो को लेकर मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस ने उनका फेक वीडियो बनाकर वायरल किया, वो जनता को

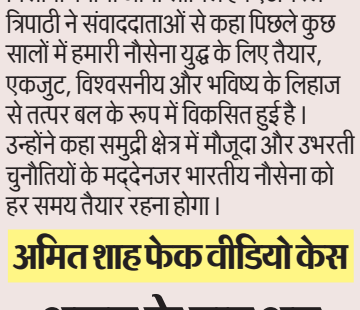

गुमराह कर रही है। शाह असम के गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने ओरिजिनल और फेक वीडियो प्ले किया। गृह मंत्री ने कहा, दूध का दूध पानी का पानी हो गया है। हमारी पार्टी एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण के समर्थन में है। इन समुदायों के आरक्षण पर अगर किसी ने डाका डाला है तो वह कांग्रेस पार्टी ने डाला है। फेक वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस में एक शिकायत भाजपा ने और दूसरी शिकायत गृह मंत्रालय ने की थी। भाजपा ने देशभर में एफआईआर दर्ज कराने का फैसला किया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी को भी पूछताछ का नोटिस भेजा है। 27 अप्रैल को यह फेक वीडियो वायरल हुआ था।

पीएम मोदी बोले-मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बिक रहे

जो भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे, वो यह झूठ फैला रहे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा- जो विरोधी भाजपा सरकार का मुकाबला नहीं कर पा रहे, वे सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो चलाकर तकनीक का दुरुपयोग कर रहे हैं। अब उनकी हालत ऐसी है कि जब उनका झूठ काम नहीं कर रहा है, तो वे मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से अपनी मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बेच रहे हैं। झूठ की यह दुकान बंद होनी चाहिए। मोदी ने कहा- हमारी सरकार दुनिया भर में बाजरा को लोकप्रिय बनाने पर जोर दे रही है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि बाजरा दुनियाभर में खाने की मेज तक पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मेरे लिए राजकीय रात्रिभोज दिया था, उसके मेन्यू में

बाजरा था। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के माढा में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस का पंजा जनता का पैसा लूटता था। जिसके पास 400 सांसद थे, वो 250 लोगों को चुनाव भी नहीं लड़वा पा रही है। आपको कांग्रेस के एक्सरे से सावधान रहना है। कांग्रेस के शहजादे गली-गली घूमकर कह रहे हैं कि उनको मौका मिलेगा तो वो आपका एक्सरे निकालेंगे। आपके घर में पड़े सोने और संपत्ति का ये हिसाब लगाएंगे। इसके बाद इसे बांट देंगे। कांग्रेस वाले विरासत टैक्स की भी बात कर रहे हैं। कांग्रेस कहती है कि जो आप बचत करते हैं उस पर सरकार का भी हक होगा। ये मार्क्सवादियों और नक्सलवादियों की विचारधारा है।

मुरैना लोकसभा सीट

प्रदेश की इस सीट पर बीएसपी बिगाड़ सकती है सभी का 'खेल'

- बीजेपी-कांग्रेस का गेम, 'बहन जी' ने कर दिया दोनों दलों को बेचैन

भोपाल। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एमपी में तीसरे चरण के मतदान में जिन 8 सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से मुरैना पर कांग्रेस टक्कर की स्थिति में है। इस सीट पर इस बार नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने दिसंबर 2023 के चुनाव में दिमनी से विधानसभा चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। फिलहाल वह मध्य प्रदेश विधानसभा में स्पीकर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कांग्रेस को सीट जीतने का मौका मिल रहा है। बताया जा रहा है कि प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार भाजपा के शिवमंगल सिंह तोमर को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

घटते जनाधार के बाद भी बीएसपी का अपना वोट बैंक- चंबल क्षेत्र में अपने घटते जनाधार के बावजूद बसपा भी अपने वोटबैंक के सहारे मुरैना सीट पर टक्कर की स्थिति में है। वैसे मुरैना ठाकुर बहुल सीट है, लेकिन दलित वोट भी अच्छी

तादाद में हैं। फैक्ट की बात करें तो 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा के करतार सिंह भडाना का 11.37 फीसदी वोट शेयर बीजेपी और कांग्रेस के उम्मीदवार के बीच वोटों के अंतर से अधिक था। इससे पता चलता है कि बीएसपी अभी भी परिणाम को प्रभावित कर सकती है।

पन्नू, सीएए, केजरीवाल...

- चुनाव के बीच जो बाइडन की मंशा पर उठ रहे सवाल
- भारत और अमेरिका के बीच बढ़ रहा राजनयिक तनाव

अमेरिका के निशाने पर डोभाल समेत टीम मोदी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक तनाव लोकसभा चुनावों के बीच बढ़ता ही जा रहा है। सीएए, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और अब खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में अमेरिका ने नापाक चाल चली है। सीएए और केजरीवाल मामले में अमेरिका ने खुलकर बयान दिया है, वहीं पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर अमेरिकी अधिकारी ने तत्कालीन भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के चीफ सामंत गोयल का नाम लिया है, वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर निशाना साधा है। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पन्नू का मारने का आदेश पूर्ववर्ती रॉ चीफ ने दिया था और उसे वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों की मंजूरी थी जिनके पीएम नरेंद्र मोदी के इनर सर्कल से संबंध हैं। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को भारत ने खारिज कर दिया है और गैर जिम्मेदाराना करार दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित रॉ एजेंट विक्रम यादव का नाम भी लिया है। विक्रम पर आरोप है कि उसने पन्नू के बारे में सारी जानकारी

किलर को दी जिसमें खालिस्तानी आतंकी का न्यूयॉर्क स्थित पता भी शामिल है। वॉशिंगटन पोस्ट को पन्नू मामले की सूचना लीक करने के बाद अब अमेरिका दावा कर रहा है कि भारत पन्नू की अमेरिका में हत्या की साजिश संबंधी आरोपों को गंभीरता से ले रहा है। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे ने सोमवार को यह बयान दिया। वॉशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका में विक्रम यादव नामक रॉ अधिकारी पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल थे और इस कदम को भारतीय जासूसी एजेंसी के तत्कालीन प्रमुख सामंत गोयल ने मंजूरी दी थी।

अब विधायक रामनिवास रावत कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल

- श्योपुर में बोले-जितना विकास कराना चाहता था, वहां रहकर नहीं करा पाया

भोपाल। कांग्रेस के सीनियर लीडर और विजयपुर विधायक रामनिवास रावत बीजेपी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने श्योपुर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता ली। उनके साथ मुरैना नगर निगम की महापौर शारदा सोलंकी और करीब 2 हजार समर्थक भी भाजपा में शामिल हुए हैं। रावत ने कहा, हर किसी की इच्छा रहती है कि वह क्षेत्र की जनता के लिए कुछ करे लेकिन जितना विकास मैं चाहता था, नहीं करा पाया। अब बीजेपी में शामिल होकर क्षेत्र को प्रदेश की मुख्यधारा तक ले जाना चाहता हूं। 6 बार के विधायक रामनिवास रावत मुरैना लोकसभा सीट से सत्यपाल सिंह सिकरवार उर्फ नीटू को टिकट दिए जाने से नाराज थे। वे पहले मुरैना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दिन

बीजेपी में शामिल होने वाले थे, लेकिन तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनको किसी तरह मना लिया था। रामनिवास रावत श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से छठवीं बार के विधायक हैं। अब तक विजयपुर से 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। उन्हें भाजपा के पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा और सीताराम आदिवासी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। रावत कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं। वे मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट से 2 बार लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। दोनों बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सूत्र बताते हैं कि रामनिवास रावत को लोकसभा चुनाव के बाद मोहन कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। रावत केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी माने जाते हैं। 6 अप्रैल को मुरैना लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार (नीटू) को उम्मीदवार घोषित किया। इसके बाद विजयपुर से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत नाराज हो गए।

हम महिलाओं को लखपति बनाएंगे 6 महीने में ही 30 लाख पद भरेंगे

भिंड में राहुल गांधी बोले-महालक्ष्मी योजना में हर महीने 8500 मिलेंगे

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भिंड में कहा, मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना के तहत देशभर की गरीब महिलाओं को लखपति बनाएंगे। हर महीने उनके खाते में 8500 रुपए डाले जाएंगे। 6 महीने में 30 लाख सरकारी पद भरे जाएंगे। राहुल गांधी ने भिंड-दतिया लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया के पक्ष में एमजेएस मैदान पर चुनावी सभा की। राहुल ने हाथ में संविधान लेकर कहा- ये मामूली किताब नहीं है। आजादी के पास किसानों, गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, आदिवासियों को जो भी कुछ मिला है इस किताब के कारण मिला है। अब पीएम ने अमित शाह ने और उनके सांसदों ने मन बना लिया है कि वो चुनाव जीतेंगे तो इस किताब को फाड़कर फेंक देंगे। 30 सरकारी लाख पद खाली पड़े हैं। हम 6 महीने में आपके हवाले कर देंगे। सेना में युवा जाते हैं। सबसे ज्यादा भिंड से। मोदी जी ने दो तरह के जवान बना दिए। एक को कैंटीन और अच्छी सैलरी मिलेगी। दूसरा जिसे ये नहीं मिलेंगे। एक को जवान दूसरे को अग्निवीर कहते हैं। आप सोचिए दो लोगों को युद्ध में भेज रहे हो, एक से कह रहे हो आपको कुछ हुआ तो हम आपके परिवार की रक्षा करेंगे।

हमारी सरकार हर ग्रेजुएट को अप्रेंटिसशिप कराएगी

अरबपतियों के बेटे अपने पिता की कंपनियों में अप्रेंटिसशिप करते हैं, उनको पैसा मिलता है। ये उनको कंपनी में डालने का मौका होता है। हमारी सरकार दुनिया की पहली सरकार होगी जो हर ग्रेजुएट को ये अधिकार देने जा रही है। आप सरकार से एक साल की गारंटी की नौकरी मांग सकते हो। हमने मनरेगा लागू की तो मीडिया ने कहा, गरीबों की आदत बिगाड़ रहे हैं। मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना करोड़ों महिलाओं को लखपति बनाने की योजना। महिलाओं के लिए महालक्ष्मी योजना होगी, हम सीधे बैंक अकाउंट में पैसा डालेंगे। हर गरीब परिवार की लिस्ट बनेगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। साल में 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। हर महीने 8500 रुपए हर महीने 1 तारीख को सरकार आपके खाते में डालेगी। मीडिया किसानों और महंगाई की बात क्यों नहीं करती। गरीबों की बात नहीं करती। कहीं नहीं है। मैंने इनको आपका मित्र कहा, लेकिन ये आपके मित्र नहीं हैं। 24 घंटे मोदी जी का चेहरा दिखेगा। मैं आपसे बात करूंगा, मीडिया नहीं दिखाएगा।

राम मंदिर के उद्घाटन में एक किसान नहीं था

22 लोग हैं, बीजेपी के मित्र। नरेंद्र मोदी से मिलते हैं। राम मंदिर के उद्घाटन में सारे वहां बैठे थे। आपने वहां किसी गरीब को देखा। वहां हजारों करोड़ वाले लोग थे। वहां, बॉलीवुड वाले थे, क्रिकेट टीम थी मगर एक किसान नहीं दिखा। संसद का उद्घाटन हुआ। आदिवासी राष्ट्रपति को बुलाया ही नहीं जाता। उनसे कहा जाता है न तुम संसद के उद्घाटन में आओगे, न राम मंदिर के। आप आरक्षण के खिलाफ नहीं है तो प्राइवेटाइजेशन क्यों किया। अग्निवीर योजना क्यों लाए। आप अरबपतियों का कर्जा माफ करते हो। 16 लाख करोड़ रुपया, 22-25 लोगों का नरेंद्र मोदी जी ने माफ किया है। मैं पूछता हूं कितने मजदूरों का कर्जा माफ किया। दुनिया में कोई शक्ति नहीं है जो इसको बदल सके। ये हिंदुस्तान के लोगों की आत्मा है। कांग्रेस और आंबेडकर ने हिंदुस्तान की जनता से मिलकर लड़ाई की और से संविधान बनाया। इसको ऐसे मिटने नहीं देंगे। राहुल ने हाथ में संविधान लेकर कहा- ये मामूली किताब नहीं है। आजादी के पास किसानों, गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, आदिवासियों को जो भी कुछ मिला है इस किताब के कारण मिला है। अब पीएम ने अमित शाह ने और उनके सांसदों ने मन बना लिया है कि वो चुनाव जीतेंगे तो इस किताब को फाड़कर फेंक देंगे।

संक्षिप्त समाचार

व्यय प्रेक्षक जैन ने बेगमगंज में की व्यय लेखा टीम के कार्यो की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत विदिशा संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्री मेहुल भारत जैन द्वारा बेगमगंज में व्यय लेखा टीम के कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने व्हीएसटी, एसएसटी प्वांट, अब तक जप्त की गई राशि और सामग्री, एसएसटी कैमरों आदि की विस्तृत जानकारी लेते हुए अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर सूक्ष्मता से नजर रखने के निर्देश दिए। व्यय प्रेक्षक श्री जैन ने कहा कि अभ्यर्थियों द्वारा किए जा रहे निर्वाचन व्यय को उनके व्यय लेखे में जोड़ा जाए। निर्वाचन रैली, सभा आदि की वीएसटी टीम द्वारा पूरी वीडियोग्राफी की जाए तथा व्यय लेखा दल द्वारा रेट लिस्ट के आधार पर व्यय का आकलन कर दर्ज किया जाए। उन्होंने निर्वाचन प्रचार-प्रसार हेतु अभ्यर्थियों को वाहनों की अनुमति, रैली-सभाओं सहित अन्य राजनैतिक आयोजनों की अनुमति आदि के बारे में भी जानकारी। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदान दिवस के कवरेज में शामिल प्राधिकृत पत्रकारों को दी है पोस्टल बैलेट से वोट करने की सुविधा

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान दिवस के कवरेज में शामिल प्राधिकृत पत्रकारों को भी पोस्टल बैलेट से वोट डालने की सुविधा प्रदान की गई है। विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत रायसेन जिले की तीन विधानसभाओं सांची, सिलवानी तथा भोजपुर में रविवार को पोस्टल बैलेट से मतदान प्रारंभ हुआ। सांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायसेन में चार प्राधिकृत पत्रकारों द्वारा स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय पहुंचकर पोस्टल बैलेट से मतदान किया। इसी प्रकार भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी एक मीडिया प्रतिनिधि द्वारा पोस्टल बैलेट से मतदान किया गया। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने पत्रकारों के कार्य को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में स्थान देकर यह सुविधा प्रदान की है। यह सुविधा केवल उन पत्रकारों के लिए है, जिन्हें निर्वाचन कार्य के कवरेज हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक स्वास्थ्य, गृह , ऊर्जा विभाग के अमले सहित निर्वाचन कार्य में मतदान दिवस के कवरेज में संलग्न भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारी पत्रकारों को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में अधिसूचित किया है। इसका आशय यह है कि सेवा में रत रहने की वजह से कोई भी मतदान करने से वंचित न रहे।

मतदान सामग्री वितरण की तैयारियां शुरू हुई

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की दोनों संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आने वाली पांचो विधानसभाओं में मतदान सामग्री का वितरण करने के पूर्व निर्वाचन संबंधी तमाम सामग्रियों को जमाने का कार्य पूर्णतः की ओर है। गौरतलब हो कि विदिशा एवं शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों के कर्मियों को निर्वाचन सामग्री का वितरण शासकीय आदर्श महाविद्यालय जफर खेड़ी से किया जाएगा। जबकि बासौदा विधानसभा के मतदान दलों के कर्मियों कोशासकीय संजय गांधी महाविद्यालय बासौदा के मैदान से तथा कुरवाई विधानसभा के मतदान कर्मियों को शासकीय महाविद्यालय कुरवाई से जबकि सिरोंज विधानसभा के मतदान कर्मियों को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लटेरी रोड सिरोंज से वितरित की जायेगी।ज्ञातव्य हो कि विदिशा जिले की पांचों विधानसभाओं के 1341मतदान है जिसमें तीन सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं। दोनों संसदीय क्षेत्रों के सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1341मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों को इवीएम सहित सभी प्रकार की मतदान सामग्री का वितरण छह मई को विधानसभा वार निर्धारित स्थलों से किया जाएगा।

अजय जामवाल ने बैतूल में बैतूल एवं आमला विधानसभा की कोर ग्रुप की बैठक को संबोधित किया

हर बूथ पर शत-प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्य : अजय जामवाल

बैतूल (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने सोमवार को बैतूल में बैतूल एवं आमला विधानसभा की प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर शत-प्रतिशत मतदान कराना और बूथ प्रबंधन को सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18-18 घंटे काम कर रहे है। लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक हमे भी प्रतिदिन 8 घंटे संगठन का काम करना है। एक एक बूथ को मजबूत कर हर बूथ पर 370 मतो की बढोतरी करनी है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर बूथ पर 370 मतां की बढोतरी का जो लक्ष्य दिया है, उसे प्राप्त करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ लाभार्थियों से संपर्क करना है। देश और प्रदेश में सनातन और भारतीय संस्कृति का परचम हलराता रहे, इसके लिए हमें ऐसा कार्य करना है कि वर्ष 2050 तक देश में भाजपा सरकार बनने से कोई रोक न सके। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा

कि पार्टी का कार्य ईश्वरीय कार्य है, इसलिए उसे सेवा भाव से करें। हमारा लक्ष्य देश को परम वैभव पर ले जाना है। आज भारत आत्मनिर्भर होकर तेजी से विकास कर रहा है। हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं और विश्व के अन्य देशों की तुलना में हमारी जीडीपी लगातार बढ़ रही है। यह सब कार्यकर्ताओं द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए कार्यो से मिले बहुमत का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। विधानसभा चुनाव से भी अधिक बहुमत से लोकसभा चुनाव जीतने के लिए हम कार्यकर्ताओं को और मेहनत करनी है।

बैतूल और बुरहानपुर में आंधी, बारिश के साथ ओले गिरे

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में एक हफ्ते से चल रहा बारिश और ओलावृष्टि का सिलसिला शनिवार को भी नहीं थमा। अब बैतूल और बुरहानपुर में आंधी, बारिश के साथ ओले गिरे हैं। वहीं खंडवा के पंधना समेत कई इलाकों में बारिश हुई। छिंदवाड़ा में भी काफी बारिश हुई। गौरतलब है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते पिछले एक हफ्ते से अलग-अलग क्षेत्रों में आंधी के साथ बारिश हो रही है। प्रदेश में भले कुछ स्थानों में बारिश हो रही हो लेकिन 7 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। सीधी, खंडवा, खरगोन, नरसिंहपुर, टीकमगढ़, सतना और खजुराहो में पारा 40 डिग्री के पार रहा। शनिवार को प्रदेश का सबसे गर्म स्थान शिवपुरी गुना और सीधी रहे इन सभी जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ भोपाल का अधिकतम तापमान 40.02 ग्वालियर 41 इंदौर 39. और जबलपुर में 40.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। इसके अलावा डिंडोरी व सिंगरौली, सीधी और बालाघाट जिलें की राते गर्म रह सकती हैं। रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, मऊगंज, उमरिया, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, दमोह, मैहर, पांढुर्णा, सिंगरौली, सीधी और बालाघाट जिलों में 50 किमी प्रति घंटा गति से हवाएं भी चल सकती हैं। भोपाल, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, अगरमालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, रीवा, सतना, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, सागर और छतरपुर जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

कलेक्टर ने राहगीरों को भी मतदान का न्यौता दिया

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतदान तिथि सात मई को विदिशा जिले के सभी मतदाता अपने-अपने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान करें। मतदाताओं को मतदान का न्यौता दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य स्वंय मतदाताओं को गुलाब का फूल एवं आमंत्रण पत्रिका देते हुए पीले चावल से मतदान करने का न्यौता दे रहे है। कलेक्टर स्वंय इस कार्य को मूर्तरूप दे रहे है। प्रातःकाल राहगीरो को उन्होंने मतदान करने का न्यौता पूर्व उल्लेखित विधियो का पालन करते हुए दिया है। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर के साथ-साथ अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई है। विदिशा जिले में शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मिशन 10 डे मेगा ईवेंट का आयोजन कर विदिशा के मतदाताओं ने ठाना है शत प्रतिशत मतदान कराना है को चरितार्थ करने के लिए सम्पूर्ण जिले में एकजाई इक्टिविटी का आयोजन किया जा रहा है। जैसे बाइक रैली का आयोजन जिला मुख्यालय पर हो रहा है तो ठीक वैसे ही अन्य बड़े कस्बो के साथ-साथ सभी तहसील खण्ड मुख्यालयों पर एक ही दिन एक ही समय पर आयोजित किए जा रहे है इन सबके पीछे मंशा यही है कि विदिशा जिले के सभी 11 लाख छह हजार 123 मतदाताओं तक मतदान करें का संदेश पहुंचाना ही नहीं बल्कि मतदान प्रक्रिया का पालन करे ताकि विदिशा जिला प्रदेश में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत के मामले में जाना जाए।

रायसेन को मतदान में नम्बर वन बनाना है: स्वीप नोडल अधिकारी

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन में विदिशा संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के सांची, सिलवानी और भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु रायसेन स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप की कार्यशाला सोमवार को सम्पन्न हुई। जिसमें जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी बीएलओ से कहा कि वह अपने-अपने मतदान केन्द्रों में शत-प्रतिशत मतदान कराने हेतु प्रयास करें। सभी को मिलकर रायसेन को मतदान में नम्बर वन बनाना है। बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के सदस्य डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को मतदान का महत्व बताते हुए 07 मई को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती भदौरिया ने कहा कि विगत विधानसभा निर्वाचन में सभी के समन्वित प्रयासों से जिले में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। लोकसभा निर्वाचन में इससे भी अधिक मतदान सम्पन्न कराना है। सभी पूरी लगन और मेहनत से प्रयास करें। एक-एक मतदाता को मतदान केन्द्र तक लाकर मतदान कराना है। उन्होंने बताया कि अधिक मतदान प्रतिशत होने पर पुरस्कृत तथा सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बीएलओ से कहा कि सभी मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण करते समय बताएं कि मतदान के दिवस मतदाता पर्ची के साथ वोटर आईडी, आधार कार्ड या अन्य फोटोयुक्त पहचान पत्र जरूर साथ लाएं। कार्यशाला में एसडीएम श्री पीसी शाक्या, नायब तहसीलदार सांची श्रीमती नियती साहू तथा सीएमओ रायसेन सुश्री सुरेखा जाटव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

01 मई से 06 मई तक होगी विभिन्न जागरूकता गतिविधियां: स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती भदौरिया ने कहा कि सभी बूथ अवेयरनेस ग्रुप अपने-अपने क्षेत्र में 01 मई से 05 तक प्रभात फेरी निकालकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि 05 मई को ही तीनों विधानसभाओं सांची, सिलवानी और भोजपुर के प्रत्येक निकाय पर शाम 05 बजे मतदाता जागरूकता रैली निकाली जाएगी तथा समापन पर मतदान की शपथ दिलाई जाएगी।

इस रैली में सभी अधिकारी, कर्मचारी, स्व-सहायता समूहों सहित अन्य वर्गो की भी भागीदारी होगी। इसके पश्चात 06 मई को घर-घर जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को 07 मई को मतदान केन्द्र आकर वोट करने के लिए आमंत्रित करना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिलेगा सम्मान लोकसभा आम निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट करने पर संबंधितों को सम्मानित भी किया जाएगा।

कलेक्टर सिंह ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

हरदा (निप्र)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों का रविवार को कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने माल्यार्पण कर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया ।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यकाल अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती पीएम सिंह तथा सहायक संचालक शिक्षा श्री बलवंत पटेल भी इस अवसर पर उपस्थित थे। जिन विद्यार्थियों का सम्मान इस अवसर पर किया गया उनमें कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले श्री कुशाग्र जैन, पारस विश्वकर्मा, रिजवाना खान, योगेश मालवीय, आकांक्षा जोशी, सलोनी जैन, मोहिनी सिंह और श्रेया पुनासे तथा कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने वाली छात्रा छवि पांडे यशिका कुशवाहा और उत्सव शामिल थे।कलेक्टर श्री सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित सभी मेधावी विद्यार्थियों, उनके माता-पिता एवं उनके शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत से मार्ग एक साथ खुल जाते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से कहा कि इस वर्ष की तरह आगे भी अच्छी तरह मन लगाकर पढ़ाई करें और जब तक मन वांछित मंजिल ना मिल जाए तब तक लगातार मेहनत करते रहें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिसोनिया ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपस्थित सभी मेधावी विद्यार्थी अपने मनपसंद पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए प्रयास करें एवं स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने मनपसंद व्यवसाय के लिए तैयारी करें, उन्हें मंजिल जरूर मिलेगी।

विद्यार्थियों को दिलाई मतदान की शपथ

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने उपस्थित मेधावी विद्यार्थियों व उनके पालकों को आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान करने की शपथ भी दिलाई।

कारखाना अधिनियम के तहत 7 मई एवं 13 मई को श्रमिकों को अवकाश

सीहोर **(निप्र)।** निर्वाचन आयोग द्वारा समस्त संसदीय क्षेत्रों में आम निर्वाचन कार्यक्रम-2024 जारी किया जा चुका है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संसदीय क्षेत्रों 19-भोपाल एवं 18-विदिशा क्षेत्र अन्तर्गत सीहोर, बुधनी एवं इछावर विधानसभा क्षेत्र में 07 मई,2024 और 13 मई,2024 संसदीय क्षेत्रों 21-देवास अन्तर्गत आष्टा विधानसभा क्षेत्र में मतदान होगा। जारी दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने गत दिवस लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम , 1951 के तहत निर्वाचन के दौरान मतदान दिवस 07 मई,2024 और 13 मई,2024 को किसी भी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करने के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाने के निर्देश दिये गये हे। यह निर्देश ऐसे निर्वाचकों पर लागू नहीं होंगे जिनकी अनुपस्थिति से उस नियोजन में कोई खतरा या सारवान हानि स्वेदव हो सकती है। इस प्रावधान के अंतर्गत दैनिक वेतन, आकस्मिक श्रमिक भी मतदान दिवस पर मजदूरी सहित अवकाश के हकदार होंगे। इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोजकों के विरूद् दण्ड के प्रावधान है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने लोकसभ के आम निर्वाचन 2024 के संसदीय क्षेत्रों में आने वाले समस्त कारोबार , व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापना में कार्यरत कामगारों को मतदान के लिए सुविधा देने की दृष्टि से जिले के समस्त कारखानों के अधिभोगीगणों प्रबंधकों तथा दुकानों, व्यवसायियों, कारोबारियों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के नियोजक तथा प्रबंधकों को निर्देशित किया जाता है कि वे प्रावधान का समुचित परिपालन अनिवार्यतः सुनिश्चित किया जावे।

रात्रि चैपाल के माध्यम से मतदाता जागरूकता के संदेशों का सम्प्रेषण

विदिशा (निप्र)। विदिशा शहर के सभी मतदाता मतदान करें खासकर ऐसे क्षेत्र जहां विधानसभा के दौरान औसत से कम मतदान हुआ है उन क्षेत्रों पर मतदाता जागरूकता संबंधी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है इसी कडी के तहत शनिवार की रात्रि में पुलिस लाइन में मतदाता जागरूकता के संदेशो का सम्प्रेषण करने व मतदान का न्यौता देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने रात्रि चैपाल कार्यक्रम में सहभागिता निभाकर पुलिस लाइन के आवासो में रह रहे नागरिकों, बच्चों, महिलाओं को मतदान करने का न्यौता, आमंत्रण पत्रिका भेंटकर किया गया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने रात्रि चैपाल मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को रोचक और स्मरणीय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के खेलो का आयोजन स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और बच्चो के मध्य कराया है इन खेलो में स्वंय कलेक्टर भी शामिल हुए और उन सब से आव्हान किया कि सात तारीख को संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान जरूर करें। मतदान हमारा मौलिक अधिकार है और इस अधिकार से कोई वंचित ना हो का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारजन जिनकी ड्यूटी मतदान तिथि के पहले कहीं अन्य क्षेत्र में लगी है तो उन्हें डाकमत पत्र या ईडीसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है जिसका लाभ लेकर वे मतदान जरूर करें।

कलेक्टर श्री वैद्य ने रात्रि चैपाल में शामिल बच्चों से भी रोचक संवाद कर हास्यात्मक वातावरण निर्मित किया और सभी बच्चो से कहा कि वे इस बात को जरूर देखे कि उनके घर के 18 वर्ष से अधिक आयु वाले भाई, बहन, मां, पिता सहित अडोसी, पडोसी ने मतदान किया है कि नहीं इसकी परख के लिए बाई तर्जनी पर अमिट स्याही लगी है कि नहीं जरूर देखे। यदि स्याही लगी है तो उनके द्वारा मतदान किया गया है और बाई तर्जनी की अंगुली को सेल्फी फोटो को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपलोड़ करें। जिला पंचयत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने मतदाता जागरूकता के आयोजनों को रेखांकित करते हुए सभी से आव्हान किया कि विदिशा शहर मतदान के मामले में पिछडे ना यह नैतिक जबावदेंही हम सबकी है। स्वंय मतदान करें और दूसरो को मतदान के लिए अभिप्रेरित करें। निर्वाचन आयोग के द्वारा बुजुर्ग व दिव्यांगजनों के लिए तथा गर्भवती माताओं के लिए मतदान करने में क्यूलेस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने सभी मतदाताओ से आव्हान किया कि वे मतदान के उपरांत अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर मैने मतदान किया अब आपकी बारी है का संदेश प्रसारित करें।

लोकसभा निर्वाचन में अधिकाधिक मतदान हेतु चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत विदिशा संसदीय क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्र सांची, सिलवानी और भोजपुर में आगामी 07 मई 2024 को मतदान सम्पन्न होना है। लोकसभा आम निर्वाचन में अधिकाधिक मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों में रैली, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, मानव श्रृंखला आदि के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान का संदेश दिया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, बुधवार 01 मई , 2024

धीरेंद्र शास्त्री ने की भगवान महाकाल की पूजा

इंदौर। उज्जैन-बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं धीरेंद्र शास्त्री मंगलवार को महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल की पूजा- अर्चना की. उन्होंने गर्भगृह में भगवान महाकाल का अभिषेक भी किया. धीरेंद्र शास्त्री ने पूजा अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत भी की. मंदिर की प्राचीन परंपराओं को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार और जिला प्रशासन से उनकी यह अपील है कि महाकालेश्वर मंदिर की प्राचीन परंपराएं बदस्तूर जारी रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि कुछ धर्म विरोधी लोग ऐसी धार्मिक परंपराओं को लेकर भी विरोध करते रहते हैं.उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर समिति द्वारा उठाए गए कदमों की काफी प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि महाकालेश्वर मंदिर में अपार ऊर्जा का संचरण होता है. महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन व्यवस्था को लेकर भी पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने संतोष जताया. आमतौर पर महाकालेश्वर मंदिर समिति द्वारा राजनेताओं का स्वागत अभिनंदन किया जाता है, मगर मंदिर समिति ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत भी किया. उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद भेंट किया गया. इस दौरान महाकालेश्वर मंदिर समिति के सहायक प्रशासन मूलचंद जूनवाल भी मौजूद थे.

निगम कमिश्नर ने सफाई मित्रों के साथ पी चाय और पूछी परेशानियां

इन्दौर। बीते कल सुबह नगर निगम कमिश्नर बीमा नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान वहां चौराहे पर कुछ सफाई कर्मचारी कार्य कर रहे थे। उनके साथ उन्होंने चाय पी और उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली।निगम कमिश्नर शिवम वर्मा शहर में हर रोज अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह अफसरों सहित गायब रहने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई कर रहे हैं। कई अधिकारी भी रोज सुबह अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण के लिए निकल रहे हैं। आज सुबह अफसरों के साथ निगमायुक्त बीमा नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पहुंचे। वहां सफाई व्यवस्था कुछ क्षेत्रों में ठीक नहीं थी, जिस पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को सफाई व्यवस्था में कसावट लाने के निर्देश दिए और इसके बाद वे वहां जमा सफाई कर्मचारियों के पास पहुंचे और उनके साथ बैठकर चाय पीने के साथ-साथ उनकी दिक्कतों को लेकर चर्चा भी की। कई सफाई मित्रों से उन्होंने पूछा कि उनके खातों में वेतन समय पर आ रहा है अथवा नहीं।

नाम वापसी की सूची पर भी उठे सवाल

इंदौर। प्रशासन द्वारा नाम वापस लेने वाले प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। जिसमें नौ प्रत्याशी अंकित किए गए हैं, जिन्होंने अपना नाम वापस लिया है। लेकिन प्रशासन द्वारा जारी सूची पर भी आपत्ति दर्ज की गई है। रिटायर्ड वायु सेवा अधिकारी धर्मेंद्र झाला ने कहा कि उन्होंने नामांकन वापस नहीं लिया है।वह अभी मैदान में है और चुनाव लड़ेंगे, साथ ही दिलीप ठक्कर ने भी नाम वापस नहीं लिया और फर्जी सूची जारी होने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों ही प्रत्याशी धरने पर बैठे है, और अपना चुनाव चिन्ह लेकर ही जाएंगे। ऐसे में भाजपा की रणनीति और प्रशासन की कार्रवाई पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

स्वास्थ्य शिविर में दिया मतदान करने का संदेश

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत अधिकाधिक मतदान के लिए कई अनूठे प्रयास किए जा रहे हैं। कहीं महिलाएं रंगोली पर तो कहीं मेहंदी के माध्यम से मतदान करने का संदेश दे रही हैं, तो कहीं मतदाता जागरूकता रैलियां निकाली जा रही है। दीवारों पर स्लोगन लिखे जा रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयास इंदौर जिले के ग्राम पंचायत पंचोला ,सांवेर में किया गया, वहां आयोजित स्वास्थ्य शिविर के दौरान मतदाता जागरूकता हेतु मतदाताओं को मतदान करने का संकल्प दिलाया गया।

कंप्रेशर फटने से स्क्रैप गोदाम में लगी भीषण आग

इंदौर। खजराना क्षेत्र में सोमवार एक कबाड़ी की दुकान में आग लगने से लाखों का माल जल गया। वहीं कंप्रेशर फटने से एक स्क्रैप का गोदाम और पास में सीमेंट वाले का ऑफिस जल गया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार शाम स्टार चौराहा नसा नगर के पास करीम पिता मुनीर की कबाड़ दुकान में आग लग गई थी, जिसके कारण दुकान में रखा सामान जल गया। यहां लोडिंग रिक्शा, कैमरे, कम्प्यूटर आदि सामान जल गया। हालांकि आग लगने का कारण ज्ञात नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि करीम का खजराना क्षेत्र में स्थित पटेल मार्केट के पास स्क्रैप का गोदाम है। देर रात वहां भी अचानक आग लग गई। इस गोदाम में कंप्रेशर भी फट गया था, जिससे आग और भडक़ गई थी।आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि उसने पास में ही स्थित तोहर पिता सलीम पटेल के ऑफिस को भी चपेट में ले लिया, जिससे ऑफिस में रखा एसी और अन्य सामान जल गया। एक अन्य घटना तिलक नगर थाने के सामने हुई। यहां किसी ने कचरे के ढेर में आग लगा दी थी।

85 प्लस वाले बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं की वोटिंग 6 एवं 7 मई को

इंदौर। विधानसभा चुनाव से 85 वर्ष से ज्यादा के बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग कराई जा रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसे सभी मतदाताओं को होम वोटिंग कराई जाएगी। इसके लिए रूट भी तैयार कर लिया है और कर्मचारियों के दल भी बना दिए गए। वोटिंग के लिए 1483 मतदाता पात्र पाए गए इनमें 85 प्लस के 1258 और 225 दिव्यांग मतदाता शामिल है। इन सब के फार्म भरवा लिए गए हैं और आने वाली 6 एवं 7 मई को सरकारी कर्मचारी जो चुनाव पर ड्यूटी पर लगे हैं, वह घर पर जाएँगे और इन मतदाताओं से वोटिंग करवाएँगे। इसके लिए 98 रूट बनाए गए हैं और 98 हम वोटिंग की टीम भी बनाई जा रही है, पहले चरण में यह 6 मई को वोटिंग करवाएँगे और जो मतदाता 6 मई को अनुपस्थित रहे या नहीं मिले तो फिर 7 मई को वोटिंग कराई जाएगी। 2 दिन तक होम वोटिंग होगी। हम वोटिंग के लिए 4 में तक मतदान सामग्री हम वोटिंग दल को प्रदान कर दी जाएगी। होम वोटिंग के निर्धारित कार्यक्रम की सूचना राजनीतिक दलों को भी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव 2023 के पहले बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान करने में बहुत दिक्कत होती थी और मतदान केंद्र पर पहुँचने में तबीयत खराब भी हो जाती थी, वहीं कुछ दिव्यांग ऐसे हैं जो मतदान केन्द्रों तक नहीं जा सकते, इन सभी के लिए यह व्यवस्था की जा रही है।

भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद इंदौर में भी सतर्कता, दर्ज करवाई शिकायत

भोपाल सहित अन्य एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधक भी अलर्ट हो गया है और इसको लेकर शिकायत दर्ज करवाई है

इंदौर। मध्यप्रदेश के भोपाल एयरपोर्ट सहित अन्य एयरपोर्ट्स को मिली बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधक भी अलर्ट हो गया है और इसको लेकर प्रबंधन ने शिकायत दर्ज करवाई है। गौरतलब है कि सोमवार को राजधानी भोपाल स्थित राजाभोज एयरपोर्ट सहित अन्य एयरपोर्ट्स को भी मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद एयरपोर्ट के अधिकारी हरकत में आए और सुरक्षा बल को अलर्ट कर दिया गया। पुलिस-प्रशासन ने बम व डाग स्क्वाड से छानबीन कराई। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धमकी और वायुयान सुरक्षा अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एयरपोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जो ईमेल एयरपोर्ट प्रबंधन को मिला है। उसमें भोपाल के अलावा जयपुर, नागपुर, कानपुर, गोवा व अन्य एयरपोर्ट को उड़ाने के लिए बम लगाने की बात कही गई। पुलिस के साथ साइबर क्राइम पुलिस भी ईमेल को ट्रेस करने में लगी है। ईमेल में एक स्थान पर चाइनीज भाषा भी लिखी थी। इस पर एफआइआर दर्ज कर मामले में जांच शुरू की गई है।

एमए की छात्रा ने की आत्महत्या, स्टेटस पर लिखा- मेरी मैयत में वक्त पर आना

इंदौर में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, पुलिस मामले की जांच में जुटी है

इंदौर। पालदा में 22 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। छात्रा का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्ट्म करवाया है। वहीं स्वजनों का कहना है कि युवक परेशान कर रहा था। दो दिन पूर्व फोटो भी डिलीट करवाए थे। पुलिस के मुताबिक प्रमिला पुत्री जगदीश मूलतः उदयनगर (देवास) की रहने वाली है। वह दुर्गा नगर पालदा में किराए से रूम लेकर रहती थी और जीडीसी से एमए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। सोमवार रात प्रमिला ने रूम में फांसी लगा ली। मंगलवार को शव का एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्ट्म करवाया गया।

व्हाट्सएप पर डाला स्टेटस

प्रमिला का भाई भी कैटरिंग का काम करने इंदौर आया था। उसने पुलिस को बताया कि दो दिन पूर्व अंजीत नामक युवक को रूम पर देखा था। शक हुआ तो उसे पकड़ लिया। अंजीत ने कहा कि वह प्रमिला का दोस्त है और फोटो डिलीट करवाने आया था। उस समय प्रमिला ने उसे छुड़वा दिया था। वहीं सोमवार को रूम पार्टनर सपना काम से गई तब प्रमिला ने फांसी लगा ली। उसने वाट्सएप स्टेट्स पर लिखा 'मेरी मैयत पर आना तो वक्त पर आना। दफनाने वाले मेरी तरह इंतजार नहीं करेंगे मेरी जान। सॉरी माफ कर देना।'

इंदौर जिले में मतदान दलों को 12 मई को होगा मतदान सामग्री का वितरण

सामग्री वितरण के लिये नियुक्त 750 अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण, व्यवस्थित और समय पर सामग्री वितरण के निर्देश

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 की व्यापक तैयारियां जारी हैं। जिले में 13 मई को मतदान होगा। मतदान दलों को 12 मई को मतदान सामग्री का वितरण नेहरू स्टेडियम से किया जायेगा। सामग्री वितरण के लिये 750 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी नियुक्त किये गये है। मतदान सामग्री वितरण एवं मतदान के पश्चात सामग्री वापस प्राप्त करने के कार्य का आज इन्हें प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा गया कि वे पूर्ण सतर्कता एवं टीम वर्क के साथ कार्य करे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों को दी जाने वाली सामग्री को चेक लिस्ट के अनुसार देने और लेने के लिए विस्तार से जानकारी दी गई। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदान सामग्री का वितरण एवं मतदान पश्चात मतदान सामग्री का संग्रहण कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि सभी मतदान दलों को मतदान सामग्री सुगमता से मिले और मतदान पश्चात मतदान सामग्री का संग्रहण कार्य भी सहजता से हो जाये। किसी भी मतदान दल को परेशानी का सामना नहीं करना पडे। अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने बताया कि आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदान सामग्री वितरण तथा मतदान सामग्री के संग्रहण करने के लिए नियुक्त 750 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को समयबद्ध और व्यवस्थित कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के नियमों और निर्देशन की जानकारी भी दी गई। सभी प्रतिभागियों को मतदान सामग्री वितरण और पुन: वापस लेने के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा तथा प्रशिक्षण के प्रभारी, एमपीईबी, पीडब्ल्यूडी, इंदौर विकास प्राधिकरण व अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे। प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

इंदौर नगर निगम : घोटाले की होगी उच्च स्तरीय जांच

इंदौर। इंदौर नगर निगम में जहां कर्मचारियों की तनख्वाह बांटने तक का संकट रहता है वहां अधिकारियों और कर्मचारियों की नाक के नीचे से बगैर काम के करोड़ों का भुगतान हो गया और किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। खास बात यह कि ये सभी काम वर्ष 2016 से 2018 के बीच के बताए जा रहे हैं और भुगतान के लिए इनके बिल वर्ष 2022 में प्रस्तुत किए गए। 130 करोड़ से ज्यादा के बिल प्रस्तुत हुए थे जिसमें से 80 करोड़ रुपये के लगभग भुगतान हो भी चुका है। अब उच्च स्तरीय कमेटी वर्ष 2022 से पहले नगर निगम के विभिन्न विभागों में करवाए गए काम और उनके एवज में हुए भुगतान की जांच करेगी।महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार देर रात इंदौर पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव से इस पूरे मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने की मांग की थी। महापौर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मौके पर ही इसकी मौखिक सहमति दे दी है। जल्द ही कमेटी की घोषणा कर दी जाएगी।लगातार बढ़ रहा है फर्जीवाड़े का आंकड़ा बताया जा रहा है कि फर्जीवाड़े की जानकारी कई बड़े निगम अधिकारियों को भी थी, लेकिन वे आंख मूंदकर तमाशा देखते रहे। नगर निगम के इंजीनियरों को आरोपित बनाए जाने के बाद अब पुलिस उनसे पूछताछ में उन बड़े अधिकारियों के नामों की जानकारी लेगी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस फर्जीवाड़े में शामिल थे। संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में यह फर्जीवाड़ा 200 करोड़ के आंकड़े को पार कर सकता है। फर्जीवाड़े में आरोपित बनाए गए लोगों की संख्या भी बढ़ने की संभावना है।

44 दिन में सी-विजिल एप पर आचार संहिता उल्लंघन की 180 शिकायतें दर्ज

इंदौर। इंदौर जिले में आचार संहिता प्रभावी होने के बाद 44 दिनों में सी-विजिल एप पर 180 शिकायतें मिली है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी शिकायतों का निराकरण भी किया जा चुका है। वही अन्य माध्यम से भी जिला निर्वाचन विभाग के पास 82 शिकायतें पहुंची थी, जिसमे से 66 का निराकरण कर दिया गया। शेष शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।इंदौर जिले में 16 मार्च से आचार संहिता प्रभावी होने के बाद से ही उल्लंघन की शिकायतें सी-विजिल एप पर प्राप्त हो रही हैं। आमजन द्वारा एप पर आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतें भेज रहे हैं। अब तक सी-विजिल एप पर आचार संहिता उल्लंघन की 180 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। कलेक्टर कार्यालय में शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निराकरण के लिए प्रकोष्ठ भी स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। संबंधित नागरिक गूगल प्ले स्टोर पर जाकर ÷सी-विजिल एप÷ डाउनलोड कर सकते है। इसके माध्यम से शिकायतें की जा सकेगी।नागरिक को आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है।

इंदौर में बम की नाम वापसी कर दिल्ली दरबार में विजयवर्गीय ने बढ़ाए नंबर, लेकिन सूरत-2 आपरेशन रहा असफल

इंदौर। इंदौर से सभी निर्दलीय उम्मीदवारों की नाम वापसी नहीं हो पाई। सिर्फ 9 उम्मीदवारों ने ही नाम वापस लिए। अब भी इंदौर में 9 उम्मीदवार मैदान में है। इसकी एक वजह यह भी है कि आपरेशन सूरत-2 के लिए सिर्फ विजयवर्गीय खेमा ही प्रयास करता रहा।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर दस सालों तक केंद्र की राजनीति में सक्रिय रहे कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम का नामांकन फार्म वापस करा कर दिल्ली दरबार तक यह संदेश पहुंचाया है कि वे चुनावी मैनेजमेंट के माहिर खिलाड़ी है। शहर के लोग मान रहे है कि इंदौर में भाजपा की स्थिति वैसे ही मजबूत है। यदि बम भाजपा में नहीं आते तब भी भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी को कोई बड़ी चुनौती नहीं थी, लेकिन बम की नाम वापसी के कारण इंदौर लोकसभा सीट देशभर में चर्चा का विषय बन गई। विजयवर्गीय ने बम की नाम वापसी के बहाने केंद्रीय नेतृत्व की नजरों में नंबर बढ़ाए, लेकिन आपरेशन सूरत-2 विफल रहा। सूरत में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। इंदौर में यह नहीं हो पाया। तमाम कोशिशों के बावजूद इंदौर से सभी निर्दलीय उम्मीदवारों की नाम वापसी नहीं हो पाई। सिर्फ 9 उम्मीदवारों ने ही नाम वापस लिए। अब भी इंदौर में 14 उम्मीदवार मैदान में है। इसकी एक वजह यह भी है कि आपरेशन सूरत-2 के लिए सिर्फ विजयवर्गीय खेमा ही प्रयास करता रहा।इंदौर के दूसरे बड़े भाजपा नेता व पदाधिकारियों ने रुचि नहीं ली। मध्य प्रदेश में न्यू जॉइनिंग टोली के संयोजक पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा है, लेकिन उन्हें भी इंदौर के घटनाक्रम की पहले से जानकारी नहीं थी। भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी को भी कांग्रेस प्रत्याशी बम की नाम वापसी की बात पहले से नहीं पता थी।

विजयवर्गीय के जरिए तीन बड़े नेता आ चुके है भाजपा में

कैलाश विजयवर्गीय ने अक्षय बम को भाजपा में लाने से पहले पूर्व कांग्रेस विधायक अंतर सिंह दरबार और पंकज संघवी की एंट्री भाजपा में कराई है। दरअसल जब विजयवर्गीय को बंगाल का प्रभारी बनाया गया था, तब वहां भी उन्होंने टीएमसी के कई बड़े नेता व विधायकों की एंट्री भाजपा में कराई थी। अब भले ही वे प्रदेश की राजनीति में सक्रिय है, लेकिन लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने बंगाल वाली रणनीति अपनाई है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 01 मई , 2024

संपादकीय

घाटी में चुनावी माहौल और सीमा पार की साजिश

जिस समय जम्मू-कश्मीर में लोकसभा के लिए मतदान हो रहा था, उसी दौरान बारामूला में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। उसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया, हालांकि दो सैनिक भी जख्मी हो गए। यह मुठभेड़ दो दिनों तक चली। सुरक्षाबलों को उस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। गनीमत है कि चुनाव के दौरान किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने से पहले आतंकियों को मार गिराया गया। बारामूला नियंत्रण रेखा पर स्थित जिला है। वहां सीमा पार से घुसपैठ कर आतंकियों के आने में पाकिस्तानी सेना का भी सहयोग मिलता है।अनेक मौकों पर देखा गया है कि घुसपैठ कर आए आतंकियों की भारतीय सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ होती है, तो उधर से पाकिस्तानी सेना भी गोलीबारी शुरू कर देती है, ताकि उन्हें लक्षित स्थान तक पहुंचाया या फिर वापस लौटने में मदद की जा सके। मगर भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की ऐसी रणनीतियों से वाकिफ है और उन पर लगातार नजर बनाए रखती है। इस समय भारत में लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं, जाहिर है वे आतंकी इसमें खलल डालने के इरादे से ही इधर आए थे। भारतीय सेना की सक्रियता और तत्परता का ही नतीजा है कि सीमा पार से प्रशिक्षण पाए आतंकियों की घुसपैठ में काफी कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव के इस माहौल में घाटी में आतंकी घटनाएं नहीं होने पाई हैं। जबसे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ है, अलगाववादी ताकतें स्थानीय लोगों को भड़काने और वहां उग्रवाद को तेज करने का प्रयास करती रही हैं। पाकिस्तान लगातार इसे जम्मू-कश्मीर की

संप्रभुता पर हमला करार देता रहा है। मगर अब वह पहले की तरह स्थानीय लोगों को भड़काने और बरगलाने में कामयाब नहीं हो पा रहा है।लगातार तलाशी अभियान और सीमा पर कड़ी नजर रखी जाने से घुसपैठ कराने की उसकी योजनाएं सफल नहीं हो पातीं। पहले वह सड़क मार्ग से तिजारती सामान में हथियार वगैरह छिपा कर इस तरफ पहुंचाने में कामयाब हो जाता था, मगर जबसे तिजारत के रास्ते बंद हैं, वह ऐसा नहीं कर पाता। पंजाब के कुछ इलाकों में ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और पैसे गिराने की कोशिश करता है, पर वहां भी अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित हो जाने से उसे मुंह की खानी पड़ रही है। हालांकि सरकार का दावा है कि घाटी में आतंकी गतिविधियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है, पर अब भी स्थानीय लोगों में भरोसा पैदा होने का दावा करना मुश्किल है। घाटी में पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद को मिल रहे समर्थन पर जरूर अंकुश लगा नजर आ रहा है, मगर स्थानीय युवाओं को दहशतगर्दी के रास्ते से अलग कर मुख्यधारा में शामिल करना अब भी चुनौती है। पिछले कुछ महीनों में शैक्षणिक संस्थानों में आतंकी तैयार करने वालों की पहचान होने, बाहरी लोगों को निशाना बना कर मारने और कई मौकों पर सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला करने की घटनाओं से जाहिर है कि घाटी में आतंक की जड़ें अभी बनी हुई हैं और मौका पाकर कहर फोड़नी शुरू कर देती हैं। ऐसे प्रमाण भी मिले हैं कि स्थानीय युवाओं में हथियार उठाने की दर बढ़ी है। इसलिए ऐसी रणनीति पर गंभीरता से काम करने की दरकार महसूस की जाती है कि जिससे स्थानीय लोगों में शासन पर भरोसा कायम किया जा सके।

सोशल मीडिया से...

आज ये लोग एक झटके में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, लेकिन इनकी 60 साल की सरकार, इनकी कई पीढ़ियों का काम गवाह है कि वंचित वर्ग के लिए इनकी मानसिकता क्या रही है। उनके दुख, उनकी तकलीफ से कांग्रेस और उनके साथियों को कोई वास्ता नहीं था।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आप सभी जानते हैं कि 7 चरणों में होने वाले चुनाव के 2 चरण समाप्त हो चुके हैं। इन दो चरणों के बाद हमारी पार्टी के इंटरनल असेसमेंट के हिसाब से भाजपा और साथी दल मिलकर 100 के आगे निकल चुके हैं। और हम बड़े विश्वास के साथ जनता के आशीर्वाद और समर्थन से 400 पार के हमारे लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता। कितना दुर्भाग्य है कि कांग्रेस हमेशा से हिन्दू-मुसलमानों के बीच में फूट डालकर शासन करती रही।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

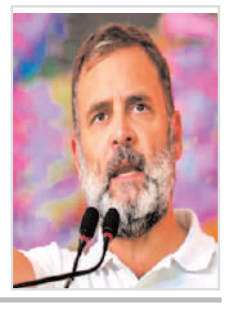

अंकल (पीएम मोदी) ने आपका मूड खराब कर दिया है और मैं उसे ठीक करने आया हूं। अगर मोदी जी 20-25 अरबपति बना सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी करोड़ों लखपति बना सकती है। दिल्ली में सरकार आते ही हम प्रफुल्ल पटेल को यहां से दो मिनट में आउट कर देंगे।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

'राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी'

बात यहां से शुरू करते हैं...

पटवारी ने बत्ती लगायी पर बम तो फुस्सी निकल गया

अरविंद तिवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तमाम गणित समझने के बाद ही अक्षय कांति बम को इंदौर से कांग्रेस का टिकट दिलवाया था। ? इसके पीछे लाभ शुभ का गणित तो था ही साथ ही इंदौर की राजनीति में अपना अलग धड़ा तैयार करने के समीकरण। पटवारी को अंदाज था कि बम जब तक उन्हें और कांग्रेस को समझेंगे तब तक गंगा में काफी पानी बह जाएगा लेकिन बम ज्यादा समझदार निकले और पटवारी के बत्ती लगाते ही फुस्सी हो गए।

संकेत साफ है, समझने वाले सब समझ गए

सागर की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंच पर मौजूद थे। यहां मोदी ने जो कुछ कहा उससे मुख्यमंत्री के आगे के सफर का रास्ता बहुत आसान होता दिख रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की जमकर तारीफ की और कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद इनके काम की गति और बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने शिवराज जी को अपना बहुत पुराना साथी बताते हुए कहा कि इन्होंने मध्यप्रदेश में बहुत अच्छा काम किया है। हम संगठन में भी साथ-साथ काम कर चुके हैं। अब मैं इन्हें दिल्ली ले जाना चाहता हूं। संकेत साफ है, समझने वाले सब समझ गए।

भाजपा के अति उत्साह का फायदा तो मिला नकुलनाथ को

छिंदवाड़ा में जिस आक्रामक अंदाज में भाजपा ने कमलनाथ की घेराबंदी करते हुए नकुलनाथ को निशाने पर लिया वह कांग्रेस के लिए एक तरह से फायदे का सौदा साबित होता दिख रहा है। भाजपा छिंदवाड़ा में अति उत्साह में आ गई थी और पार्टी के दिग्गजों को लग रहा था कि वे जितना ज्यादा आक्रामक रहेंगे और कमलनाथ पर वार करेंगे, उसका उन्हें बहुत फायदा मिलेगा। मतदान की तारीख नजदीक आते-आते भाजपा का यह दाव उल्टा पड़ता नजर आया। जितनी आक्रामकता भाजपा ने दिखाई, उतनी ही ज्यादा जनता की सहानुभूति नकुलनाथ के साथ होती गई। भाजपा उम्मीदवार से उनकी ही पार्टी के लोगों की नाराजगी का नकुलनाथ को पूरा फायदा मिला।

सख्त हिदायत... मध्यप्रदेश में 29 सीट से कम मंजूर नहीं

अबकी बार 400 पार के नारे के साथ चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी इस आंकड़े को लेकर खासी गंभीर है। पार्टी आलाकमान और पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक सीट पर कड़ी नजर बनाए हुए है। स्पष्ट शब्दों में नीचे तक यह संदेश दे दिया गया है कि पिछली बार से एक भी सीट कम नहीं होना चाहिए। 2019 में जो सीट हार गए थे, वहां भी जीत होनी चाहिए। मध्यप्रदेश की बात करें तो सभी 29 सीटों को जीतने के लिए कमर कसी गई है और इसे लेकर लगातार सीट दर सीट समीक्षा बैठक हो रही है। ताजा स्थिति से आलाकमान को अवगत कराया जा रहा है। दूसरे चरण के मतदान के ठीक पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अमित शाह भोपाल आकर सख्त हिदायत दे चुके हैं।

अब ड्राइविंग सीट पर आ गए हैं संघ के नए प्रांत प्रचारक राजमोहन

काम करने का संघ का अपना एक तरीका है। घोषित तौर पर नए प्रांत प्रचारक राजमोहन संघ के अलग-अलग प्रशिक्षण वर्ग समाप्त होने के बाद नए दायित्व ग्रहण करेंगे। तब तक लोकसभा के चुनाव भी निपट जाएंगे। लेकिन अघोषित रूप से प्रांत प्रचारक के रूप में राजमोहन ड्राइविंग सीट पर आ गए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए संघ की जो तैयारियां हैं उसमें वे अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। वर्तमान प्रांत प्रचारक बलिराम पटेल और प्रांत के संघ चालक विनित नवाथे के साथ मिलकर राजमोहन आने वाले समय की अपनी भूमिका को समझ तो रहे ही हैं, साथ ही असरकारक क्रियान्वयन की दिशा में भी बहुत ज्यादा सक्रिय हैं।

दिल्ली ने चमकाया हाथ नहीं आ रहे विधायकों को

मध्यप्रदेश में दिल्ली से तैनात किए गए भाजपा के दो दिग्गज नेताओं से मिले फीडबैक के बाद अमित शाह भोपाल आकर विधायकों को लेकर साफ और सख्त हिदायत दे गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष दोनों से कहा कि अपने विधायकों को यह स्पष्ट कर दो कि उनका राजनीतिक भविष्य लोकसभा चुनाव के नतीजों पर ही निर्भर करेगा। चुनाव के बाद एक-एक विधानसभा के नतीजों की समीक्षा की जाएगी और जिन विधायकों का परफार्मेंस अप-टु द मार्क नहीं रहेगा उन्हें अगले चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है। शाह की इस हिदायत को अगले दिन अल सुबह ही विधायकों तक पहुंचा दिया गया। इसका नतीजा भी देखने को मिलने लगा है और कम से कम इंदौर में तो अभी तक चुनाव से दूरी बनाकर चल रहे विधायक एकाएक सक्रिय नजर आने लगे हैं।

पुराना हिसाब बराबर करने का अच्छा मौका है इंदौर का ड्रेनेज घोटाला

नगर निगम में 28 करोड़ रुपए का घोटाला पकड़ में आने के बाद चर्चा यह चल पड़ी कि मामला तत्कालीन आयुक्त हर्षिका सिंह ने पकड़ा था और उन्हीं ने सबसे पहले जांच के आदेश दिए थे। उनके जाने के बाद आयुक्त की भूमिका में शिवम वर्मा आ गए और उन्हीं ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में प्रकरण भी दर्ज करवाया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव को तो जैसे मौके का ही इंतजार था, उन्होंने सवाल उठाया है कि जब पूर्व आयुक्त हर्षिका सिंह ने इतनी बड़ी गड़बड़ी पकड़ ली थी तो फिर तब एफआईआर दर्ज क्यों नहीं करवाई गई। मामला इतना गंभीर था तो जांच जल्दी क्यों नहीं करवाई गई। इस मामले में निगम में अपर आयुक्त रहे संदीप सोनी और लंबे समय से जल कार्य विभाग (ड्रेनेज) में पदस्थ सुनील गुप्ता की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

चलते-चलते

शंकर लालवानी चुनाव में अंटी ढीली नहीं कर रहे हैं। यह उस स्थिति में हो रहा है जब देश और विदेश के कई बड़े सिंधी कारोबारी उनकी खुलकर मदद करने को तैयार बैठे हैं। दबे स्वर में तो यह भी कहा जा रहा है कि कुछ की मदद तो इंदौर पहुंच भी चुकी है। हकीकत क्या है, यह तो लालवानी और उनके बेटे ही बता सकते हैं। यानी यह माना जाए कि भनक गौरव रणदिवे को भी नहीं लग पा रही है।

पुछल्ला

पुराने संभागायुक्त मालसिंह ने अभी तक संभागायुक्त वाला बंगला खाली नहीं किया है। शायद उम्मीद से हैं कि इंदौर में ही कहीं और पोस्टिंग मिल जाए। नए संभागायुक्त दीपक सिंह भले आदमी हैं और अपने रानी बाग स्थित निवास से ही काम चला रहे हैं। यह सब उस स्थिति में हो रहा है, जब पुराने संभागायुक्त का भी इंदौर में ही निजी निवास है।

बात मीडिया की

● कभी-कभी ज्यादा सीनियर रिपोर्टर होना भी परेशानी का कारण बन जाता है। दैनिक भास्कर के इंदौर संस्करण में इन दिनों सीनियर रिपोर्टर की भरमार है और कई रिपोर्टर्स के पास बहुत कम काम है। जिनके पास ज्यादा काम है, वह शादी-ब्याह या बीमारी की स्थिति में भी इसलिए छुट्टी नहीं लेते कि कहीं उनकी एक-दो बीट किसी कम काम वाले साथी के खाते में न चली जाए।

● कास्ट कटिंग की गाज अगले महीने दैनिक भास्कर इंदौर की संपादकीय टीम के चार लोगों पर गिर सकती है। इनमें डेस्क, रिपोर्टिंग तथा पेज डिजाइनर शामिल हैं।

● नईदुनिया के सीईओ संजय शुक्ला, बीसीएम पैराडाइज बिल्डिंग में रहते हैं। यहां की सोसायटी ने उन्हें अपनी प्रबंधकारिणी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अपने अखबारी रुतबे का उपयोग कर शुक्ला ने वापसी के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखी, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद बात बन नहीं पाई।

100 मिनट में कार्रवाई का दावा, निगमायुक्त ने किया मतदान केन्द्रों का दौरा

इंदौर। सी-विजिल एप के जरिए आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें दर्ज की जा रही है। इंदौर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अभी तक 180 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके त्वरित निराकरण का दावा भी जिला निर्वाचन कार्यालय ने किया है। साथ ही यह भी बताया कि शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्रवाई कर दी जाती है। हालांकि इंदौर चुनाव अब पूरी तरह से नीरस हो चुका है। चूंकि कल कांग्रेस मैदान से ही हट गई। ऐसे में अब आदर्श आचार संहिता की शिकायतें भी घट जाएगी। मैदान में जो 14 उम्मीदवार निर्दलीय व अन्य बचे हैं वे ही थोड़ी-बहुत शिकायतें करेंगे। 16 मार्च से इंदौर में आचार संहिता लागू की गई और तब से ही राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं के साथ नागरिकों द्वारा सी-विजिल एप पर उल्लंघन की शिकायतें दर्ज की जा रही है। जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर विगत 16 मार्च से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। नागरिकों से सी-विजिल एप पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। आचार संहिता के लागू होने के बाद से अब तक सी-विजिल एप पर आचार संहिता उल्लंघन की 180 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। इसी तरह अन्य माध्यमों से भी निर्वाचन संबंधी 82 शिकायतें प्राप्त हुई थी। इनमें से 66 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। शेष लंबित शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया चल रही है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। कलेक्टर कार्यालय में शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निराकरण हेतु प्रकोष्ठ भी स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। नागरिक को आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस ऐप के जरिए व्यक्ति राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से लाने-ले जाने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर प्रचार सामग्री चस्पा करने, लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें कर सकते हैं। वहीं जिले में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए किये जा रहे है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में स्वीप अभियान का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हो रहा है। इसके तहत दिव्यांगजन भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अपनी हिस्सेदारी के लिए आगे आ रहे है। दिव्यांगजन वाहन रैली, क्रिकेट मैच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करेगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 मई को शाम 6 बजे से दिव्यांगजन तिपहिया वाहन(रेट्रोफिटिंग स्कूटी) के माध्यम से रैली निकालेगें। यह रैली शाम 6 बजे से नेहरू पार्क से प्रारंभ होगी। रीगल चौराहा होते हुये यशवंत क्लब मैदान पर सम्पन्न होगी। इसके पश्चात 5 मई को शाम 5 बजे से एमराल्ड हाईट्स स्कूल मैदान में दिव्यांगजनों का व्हीलचेयर क्रिकेट मैच रखा गया है।

लोकसभा निर्वाचन 2024 : जिले में मतदान केन्द्रवार तैनात रहेंगे वालंटियर्स

सर्वाधिक मतदान कराने वाले प्रथम 21 वालंटियर्स को मिलेगी प्रोत्साहन राशि- बीएलओ भी होंगे पुरस्कृत

इंदौर। इंदौर जिले में स्वीप अभियान के अंतर्गत मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में अनेक अनूठी पहल की जा रही है। इसी के तहत मतदाता जागरूकता के लिए जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों के साथ वालंटियर्स भी तैनात किये जा रहे है। सर्वाधिक मतदान कराने पर संबंधित वालंटियर्स/बीएलओ को प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है।

यह जानकारी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम तक्षशिला परिसर खंडवा रोड पर आयोजित एनजीओ एवं वॉलेंटियर के साथ संवाद कार्यक्रम में दी गई। इस कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह, स्वीप अभियान के नोडल अधिकारी तथा स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह सहित अन्य अधिकारी और एनजीओ तथा वालंटियर्स मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने मतदान की महत्ता बताते हुये सभी से आग्रह किया कि वे मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रेरित करें। यह प्रयास करे कि सभी मतदाता अपने-अपने मताधिकार का उपयोग करें। लोकसभा निर्वाचन 2024 में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत अधिक से अधिक मतदान हो इसलिये अनेक नवाचार किये जा रहे हैं। बताया गया कि इंदौर जिले के मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए एक ओर महत्वपूर्ण कवायद की गई है। इसके तहत जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदान केन्द्र वार बीएलओ और वालंटियर्स नियुक्त किये गये है। यह

अपने-अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए हमने बीएलओ, कॉलेज के विद्यार्थियों और युवाओं को वालंटियर्स भी बनाये है। पूर्व के चुनाव में जिन मतदान केन्द्रों पर कम मतदान हुआ है, वहां विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाये।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्र के मतदान बूथों पर न्यूनतम 75 प्रतिशत से अधिक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 80 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बीएलओ, वालंटियर्स एवं जागरूकता कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होगी। मतदान का लक्ष्य हासिल करने वाले ऐसे सभी बीएलओ को 5 हजार रुपये की पारितोषिक राशि के रूप भी दी जायेगी। मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अग्रणी रहने वाले प्रथम 21 मतदान केंद्रों के वॉलंटियर्स को प्रोत्साहन राशि के रूप में ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये दिये जायेगे। इसके अलावा मतदान जागरूकता के माध्यम से लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता लाने वाले व्यक्तियों को पदक एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को मतदान की शपथ भी दिलाई गई।

संक्षिप्त समाचार

डीए 50 प्रतिशत बढ़ा तो केंद्रीय कर्मियों के बच्चों का शिक्षा भत्ता 25 प्रतिशत बढ़ेगा, सरकार का आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने अपने कर्मचारियों के लिए बच्चों की शिक्षा के भत्ते और छात्रावास सब्सिडी की सीमा में संशोधन किया है। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि ये संशोधन एक जनवरी, 2024 से लागू होंगे। एक जनवरी, 2024 से महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के बाद यह कदम उठाया गया है। वर्ष 2018 के एक दिशानिर्देश का हवाला देते हुए कार्मिक मंत्रालय ने कहा, आदेश में प्रावधान है कि जब भी संशोधित वेतन में महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा तो बच्चों के शिक्षा भत्ते और छात्रावास सब्सिडी की सीमा स्वाभाविक रूप से 25 प्रतिशत बढ़ जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा होने के मद्देनजर बच्चों का शिक्षा भत्ता और छात्रावास सब्सिडी की राशि के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। कार्मिक मंत्रालय के नवीनतम आदेश में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारियों की ओर से किए गए वास्तविक खर्चों के बावजूद बच्चों के शिक्षा भत्ते की राशि 2,812.5 रुपये प्रति माह होगी और छात्रावास सब्सिडी 8,437.5 रुपये प्रति माह होगी। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों के दिव्यांग बच्चों के लिए बच्चों के शिक्षा भत्ता सामान्य दरों से दोगुनी यानी 5,625 रुपये प्रति माह (निर्धारित) होगा।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 10 गुना बढ़ा

सियोल , एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का जनवरी-मार्च तिमाही में परिचालन लाभ 10 गुना होकर 6600 अरब वॉन (4.8 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 640 अरब वॉन (46.5 करोड़ डॉलर) था। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और प्रमुख गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन की मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का राजस्व करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 71900 अरब वॉन (52 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए सैमसंग ने कहा कि उसने इस महीने अपने नवीनतम एचबीएम चिप (जिन्हें 8-लेयर एचबीएम3ई कहा जाता है) का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है। दूसरी तिमाही में चिप के 12-लेयर संस्करण का उत्पादन शुरू करने की योजना है। सैमसंग ने एक बयान में कहा, ''2024 की दूसरी छमाही में व्यापक आर्थिक रुझानों और भू-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निरंतर अस्थिरता के बावजूद, मुख्य रूप से जनरेटिव एआई से जुड़ी मांग के साथ कारोबारी स्थितियां सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी का इस्तीफा, रिपोर्ट्स में दावा- 200 लोगों की जा सकती है नौकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी ने अपनी ज्वाइनिंग के चार महीने बाद ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी अपने पुनर्गठन पर विचार कर रही है, इसके तहत 10 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी भी संभव है। खबर के अनुसार बख्शी का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बख्शी जनवरी में कंपनी से जुड़े थे। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले कहा गया है कि कंपनी में पुनर्गठन से कुछ भूमिकाएं समाप्त हो जाएंगी और इससे 10 प्रतिशत कार्यबल यानी करीब 200 लोगों को छंटनी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि दिसंबर में, कंपनी की सहयोगी ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार नियामक सेबी को अपने आईपीओ के लिए प्रस्ताव सौंपा था।

यूपीआई के बावजूद बढ़ी नकदी की मांग, एटीएम से हर महीने निकाले गए 1.43 लाख करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। डिजिटल भुगतान में लगातार वृद्धि के बावजूद देश में नकदी की मांग घटने की जगह बढ़ी है। एटीएम में नकदी का प्रबंधन करने वाली कंपनी सीएमएस इन्फोसिस्टम्स ने सोमवार को जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, लोगों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एटीएम से हर महीने औसतन 1.43 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। यह आंकड़ा 2022-23 के 1.35 लाख करोड़ रुपये के औसत मासिक निकासी से 5.92 फीसदी ज्यादा है। ये ताजा आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि लोग खर्च के लिए अब भी नकदी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब पूरे देश में यह धारणा लगातार बढ़ रही है कि यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान मंचों के जरिये लेनदेन बढ़ने से नकदी के इस्तेमाल में कमी आ रही

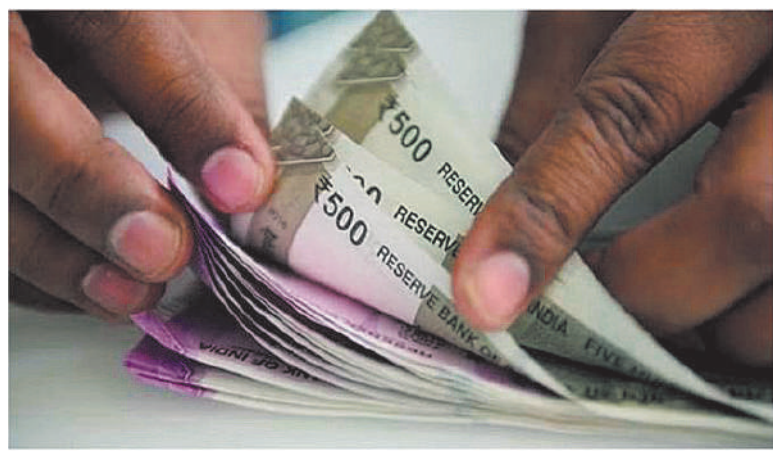

है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते वित्त वर्ष के दौरान महानगरों में एटीएम से नकदी निकासी 37.49 फीसदी बढ़ी है। इस अवधि के दौरान कस्बों एवं देहात में लोगों ने एटीएम से एक साल पहले की तुलना में 12.50 फीसदी अधिक नकदी निकासी की।

मीडिया और इंटरटेनमेंट क्षेत्र में खर्च में बढ़ोतरी

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान मीडिया एवं इंटरटेनमेंट क्षेत्र में औसत खर्च 29.30 फीसदी बढ़ा है। एफएमसीजी क्षेत्र में खर्च में 16.76 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें 2022-23 के दौरान 21.94 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी।

एक एटीएम से निकासी में कर्नाटक सबसे आगे

एक एटीएम से नकदी निकासी के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। राज्य के लोगों ने 2023-24 में एक एटीएम से औसतन 1.83 करोड़ रुपये निकाले हैं। दिल्ली 1.82 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल 1.62 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है। देश के लगभग आधे एटीएम का प्रबंधन करने वाली कंपनी ने रिपोर्ट में कहा, महानगरों में लोगों ने 2023-24 के दौरान एक साल पहले की तुलना में औसतन 10.37 फीसदी ज्यादा नकदी निकासी की। इसमें कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 3.94 फीसदी और शहरों में 3.37 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसमें एटीएम और अन्य तरीकों से नकदी निकासी शामिल है। सरकारी बैंकों के 49 फीसदी एटीएम महानगरों और शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। निजी बैंकों के मामले में यह अनुपात 64 फीसदी है। दोनों ही वर्गों के बाकी एटीएम कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

डीएवीवी : पोस्ट ग्रेजुएट की परीक्षा चुनाव बाद

विश्वविद्यालय के 400 से अधिक कर्मचारी अधिकारी चुनाव ड्यूटी में

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में अंडर ग्रेजुएट की परीक्षाएं चल रही है लेकिन कुछ परीक्षाएं चुनाव के चलते आगे बढ़ा दी गई हैं जो कि लोकसभा चुनाव के बाद कराई जाएगी। देश में आम चुनाव में अधिकतर कर्मचारियों की ड्यूटी लगी हुई है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के भी 400 से अधिक कर्मचारी एवं अधिकारी की ड्यूटी चुनाव में लगाई गई है जिसके कारण विश्वविद्यालय को अपना परीक्षा कार्यक्रम परिवर्तित करना पड़ा है। पोस्ट ग्रेजुएट के कुछ विषयों की परीक्षाएं अब चुनाव के बाद कराई जाएगी। विश्वविद्यालय का 80 फीसदी स्टाफ चुनाव की ड्यूटी में लगा हुआ है जिसके कारण विश्वविद्यालय की परीक्षाओं पर भी प्रभाव पड़ा है। विश्वविद्यालय को अपना परीक्षा कार्यक्रम परिवर्तित करना पड़ा है। विश्वविद्यालय इन दिनों अंडर ग्रैजुएट की परीक्षाएं कंडक्ट कर रहा है लेकिन कर्मचारियों अधिकारियों की कमी की वजह से उसे अपना पोस्ट ग्रेजुएट परीक्षा कार्यक्रम बदलना पड़ा है। अब एमए, एमकॉम जैसे विषयों की परीक्षाएं चुनाव के बाद करना होगी इसके लिए विश्वविद्यालय चुनाव के बाद परीक्षा का कार्यक्रम फिर से बनाएगी तब तक विद्यार्थियों को इंतजार करना होगा। चुनाव के बाद गर्मी कर सकती है परेशान चुनाव के बाद जब विश्वविद्यालय परीक्षा

कार्यक्रम तय करेगा तब भीषण गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही होगी जिसके कारण परीक्षार्थियों के अध्ययन और स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है इसका भी ध्यान रखना होगा। इसके साथ ही इस बार जब परीक्षाएं लेट होने से परीक्षार्थी अपनी छुट्टियों का कार्यक्रम भी नहीं बना सकेंगे और न ही वे कहीं बाहर जा सकेंगे क्योंकि चुनाव के परिणाम आने के बाद ही परीक्षाओं की तारीख एक बार फिर से तय होगी। डीएवीवी के आशेष तिवारी ने बताया कि विश्वविद्यालय के लगभग 400 कर्मचारी और अधिकारियों की ड्यूटी चुनाव में लगी होने के कारण बाकी बचे हुए विषयों की परीक्षा की तारीख चुनाव के बाद ही तय की जाएगी।

Registrations Begin For Foreign Medical Graduate Examination (FMGE) 2024

Registration process have started for the Foreign Medical Graduate Examination (FMGE) June 2024 session. Candidates who wish to appear in the screening test can register for the exam by May 20, 2024 11:55 pm. The online submission of the applications began on April 29, 2024.

The window for making payment for the applications will begin on May 24 and continue till May 28, 2024. The edit window to make changes or rectify any error in the application form will open on June 7 to June 10, 2024.

The candidates will be required to submit documents related to Primary Medical Qualification Certificate (PMQC), Attestation of PMQC by Indian embassy concerned, Eligibility certificate or Admission Letter, Proof of Citizenship for completing the application process.

The admit cards will be out on July 1, 2024. The exam will be conducted on July 6, 2024 and the results will be announced on August 6, 2024.

The licensing exam is crucial for Indian or overseas citizen of India who possess a primary medical qualification awarded by any medical institution outside India and who wish tp get provisional or permanent registration with Medical Council of India or any State Medical Council.

National Board of Examinations in Medical Sciences (NBEMS) has been entrusted with the responsibility to conduct the screening test as per Screening Test Regulations 2002.

ISRO Inviting Applications For Research Scientist And Project Associate

Vikram Sarabhai Space Centre at Indian Space Research Organisation (ISRO) is inviting applications for Research Scientist and Project Associate. The applications for Research Scientist is called on contractual basis for a period of three years.

Educational qualification

Candidates having a MSc degree in Meteorology/ Atmospheric Science with an aggregate minimum of 65% marks (average of all semesters) or CGPA/CPI grading of a minimum of 6.84 on a 10 scale or equivalent are eligible to apply for Research Scientist.

For Project Associate, candidates must have a MSc degree in Physics/ Atmospheric Science/ Meteorology with an aggregate minimum of 65% marks (average of all semesters) or CGPA / CPI grading of a minimum of 6.84 on a 10 scale or equivalent.

Job role

The job role of Research Assistant involves Data Product generation based on round the clock Doppler Weather Radar (DWR) scheduler mode operation, Data Validation and support in calibration and maintenance of Radar. (Round the clock operation).

Project Associates are required to work under the Project titled Structure, Evolution and Dynamics of Mesoscale and Synoptic Scale Convective Systems using network Doppler Weather Radar (DWR) and satellite observations in Space Physics Laboratory (SPL).

Salary

The salary for Research Scientist is around Rs 56,100, while for Project Associate it is Rs 31,000.

Interested and eligible candidates can visit the official website of the ISRO for complete details. The deadline to complete the registration process is May 5, 2024. All valid applicants will be called for written test. The written test Centre will be in Thiruvananthapuram only. The age limit for Research Scientist is 28 years while for the Project Associate it is 35 years.

यूजी अंतिम वर्ष का रिजल्ट नहीं आया तो भी पीजी में मिलेगा अस्थायी प्रवेश

इंदौर। 2024-25 सत्र में प्रवेश को लेकर उच्च शिक्षा विभाग 1 मई से काउंसलिंग शुरू करने वाला है। एमपी ऑनलाइन के जरिए छात्र-छात्राएं यूजी-पीजी सहित एनसीटीई से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर पंजीयन करवा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के तुरंत बाद दस्तावेज अपलोड करना होंगे।विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में ग्रेजुएशन अंतिम वर्ष के परिणाम नहीं आए है। ऐसी स्थिति में पीजी में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों को कॉलेज आवंटित होने के बाद अंकसूची प्रस्तुत करना होगी। ऐसी ही स्थिति 12वीं सीबीएसई के विद्यार्थियों के सामने भी है, क्योंकि इनका रिजल्ट आना बाकी है।

299 पाठ्यक्रम में दिया जाएगा प्रवेश

प्रदेशभर के 1360 सरकारी-निजी कॉलेजों से संचालित 299 पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। छह लाख ग्रेजुएट और चार लाख पोस्?ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम में सीटें है। पारंपरिक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 1 से 20 मई तक पंजीयन होंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को अंकसूची, मूल निवासी, आय-जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज अपलोड करना होंगे। हेल्प सेंटर के माध्यम से दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। उसके बाद विद्यार्थियों की मेरिट बनाई जाएगी और सीट आवंटित होगी। वैसे ही एनसीटीई से मान्यता प्राप्त बीएड-एमएड, बीपीएड-एमपीएड सहित अन्य कोर्स की 72 हजार सीटों को लेकर 1 से 9 मई तक पंजीयन और सत्यापन होंगे। विद्यार्थियों की मेरिट और वरीयता सूची बनेंगी। फिर कालेज आवंटित होंगे।

मिलेगा महीने भर का समय

शिक्षाविद डॉ. कविता कासलीवाल का कहना है कि डीएवीवी में बीए-बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा चल रही है। वैसे अन्य पाठ्यक्रम के रिजल्ट भी आना बाकी है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को पंजीयन के दौरान अपनी प्रथम-द्वितीय वर्ष की अंकसूची अपलोड करना होगी। उसके आधार पर मेरिट लिस्ट बनेगी और कॉलेज मिलेंगे। मगर यह प्रवेश अस्थायी रहेंगे। कालेज में अंकसूची प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश मान्य होगा।

कोविड के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में तेज सुधार, नौ साल में मिलेंगे 5.82 करोड़ रोजगार

नईदिल्ली, एजेंसी। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 2033 तक यानी नौ साल में देश में 5.82 करोड़ रोजगार मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय 2020 में पर्यटन क्षेत्र में 3.9 करोड़ नौकरियां गई थीं, जो देश के कुल रोजगार का करीब 8 फीसदी थी। एनएलबी सर्विसेज की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी से उबरने के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में सबसे तेज सुधार देखा गया। इस क्षेत्र ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 16 लाख अतिरिक्त नौकरियां दीं।जनवरी 2023 से, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में दिहाड़ी नौकरियों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें अनुवादक, फोटोग्राफर और टूर गाइड जैसे पद शामिल हैं। अगले दो वर्षों में इस क्षेत्र की नौकरियों में 20 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद है।

जीडीपी में 16.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान

आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करते हुए यात्रा-पर्यटन ने 2022 में भारत की जीडीपी में 15.9 लाख करोड़ का योगदान दिया। 2023 के लिए 16.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया था।

दिल्ली और मुंबई में ज्यादा नौकरियां

एनएलबी सर्विसेस के सीईओ सचिन अलग ने कहा, इस क्षेत्र में नियुक्तियों में वृद्धि करने वाले शीर्ष शहरों में दिल्ली, एनसीआर, मुंबई, बंगलूरू, पुणे और कोच्चि शामिल हैं। अन्य शहरों में जयपुर, अहमदाबाद व चंडीगढ़ शामिल हैं।

शेफ, यात्रा सलाहकार की ज्यादा मांग

जिन प्रमुख प्रोफाइलों की मांग आगे बढ़ने वाली है, उनमें सेल्स (18 प्रतिशत), बिजनेस डेवलपमेंट (17 प्रतिशत), शेफ (15 प्रतिशत), यात्रा सलाहकार (15 प्रतिशत) शामिल हैं। टूर ऑपरेटर (15 फीसदी), ट्रैवल एजेंट (15 फीसदी), होटल व्यवसायी (15 फीसदी), गाइड (20 फीसदी), वन्यजीव विशेषज्ञ (12 फीसदी) में भी अच्छी मांग है।

हांगकांग-सिंगापुर के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में भी जांच, खाद्य नियामक ने ग्राहकों से कहा- सचेत रहें

नईदिल्ली, एजेंसी। एमडीएच और एवरेस्ट मसाला विवाद की आंच हांगकांग और सिंगापुर होते हुए अब ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड तक पहुंच चुकी है। खाद्य मानक ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड (एफएसएएनजेड) ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह भारतीय कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट की ओर से उत्पादित मसालों में गड़बड़ी के आरोपों की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर की तरह ही इस तरह की कार्रवाई के बाद ऑस्ट्रेलिया में भी इन उत्पादों को बाजार से वापस बुलाया जा सकता है।

हांगकांग ने हाल ही में तीन एमडीएच मसालों और एवरेस्ट के फिश करी मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। सिंगापुर ने एथिलीन ऑक्साइड के अत्यधिक स्तर का हवाला देते हुए बाजार से एवरेस्ट मसाले को मंगा लिया है। यह एक ऐसा रसायन है जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने से यह कैंसर का कारण बन सकता है।

एफएसएएनजेड ने एक बयान में कहा, हम इस मुद्दे को समझने के लिए अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ और संघीय, राज्य और क्षेत्रीय खाद्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके

कि ऑस्ट्रेलिया में आगे की कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं। एजेंसी ने कहा कि एथिलीन ऑक्साइड को ऑस्ट्रेलिया में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थों में उपयोग करने की अनुमति नहीं है। अगर कार्रवाई आगे बढ़ती है तो प्रभावित उत्पादों को बाजार से वापस मंगाया जा सकता है। एमडीएच और एवरेस्ट भारत के प्रमुख मसाला ब्रांड हैं जो यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखते हैं। अमेरिका में यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) भी इस मामले की जांच कर रहा है। भारत में भी खाद्य नियामक ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों की उत्पादन सुविधाओं का निरीक्षण किया है।

भारतीय मसालों पर सवाल खड़े होने और अंतरराष्ट्रीय नियामकों की ओर से जांच शुरू होने से खाद्य पदार्थों के प्रति स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। आस्ट्रेलिया में ग्राहकों को सलाह दी गई है कि जांच के बाद होने वाले संभावित रिकॉल के बारे में सचेत रहें और खरीदारी के दौरान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करें।

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक पेड़, फल की जगह उगते हैं ग्रेनेड

दुनिया में कई तरह के पेड़-पौधे हैं. कई पेड़ अपनी खासियत की वजह से जाने जाते हैं. किसी पेड़ के अंदर कई लीटर पानी जमा हो सकता है तो कुछ पेड़ सालभर फल देते हैं. भगवान हर पेड़ को जिंदा रहने के लिए कई गुण भी देता है. वैसे तो दुनिया के ज्यादातर पेड़ धरती को ऑक्सीजन देते हैं. ऐसे में इंसानों के लिए ये पेड़ किसी वरदान से कम नहीं हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक ट्री कहा जाता है. इस पेड़ से इंसान जितना दूर रहे, उसके लिए उतना ही उतना ही अच्छा होता है.

पेड़ों से भी क्या डरना! आप यही सोच रहे होंगे लेकिन एक पेड़ ऐसा है जिससे डरना ही पड़ेगा। इस पेड़ का नाम है सैंडबॉक्स ट्री। यह सबसे खतरनाक और डरावना पेड़ है जो कि दक्षिण अमेरिका के अमेज़न जंगल में पाया जा सकता है। इस पेड़ को देखते ही आप पहले तो चौंक जाएंगे क्योंकि इसके तने पर शंकु के आकार के ढेर सारे कांटे होते हैं। इतना ही नहीं इस पेड़ पर कद्दू के आकार के फल उगते हैं लेकिन कमाल की बात तो यह है कि जब यह फल पक जाते हैं तो जोरदार आवाज़ के साथ बम की तरह फट जाते हैं। फल 150 मील प्रति घंटे की गति से फूटता है और 60 फीट की दूरी तक इसके बीज तेजी से फैलते हैं। इस तरह के विस्फोट के कारण इसे डाइनामाइट ट्री के नाम से भी जाना जाता है, जिसकी लंबाई 100 फीट तक हो सकती है।

हम बात कर रहे हैं सैंड बॉक्स ट्री की. इसे पोसमवुड, मंकी नो क्लाइंब, या जाबिलो के नाम से भी जाना जाता है. ये मूल रूप से नार्थ और साउथ अमेरिका के ट्रॉपिकल रीजंस में पाया जाता है. इसके अलावा ये पेड़ अमेजन के रेनफॉरेस्ट में भी पाया जाता है. लेकिन इस पेड़ को दुनिया का सबसे खतरनाक पेड़ कहा जाता है. इसकी वजह है इस पेड़ में लगने वाला फल. जी हां, इस पेड़ में लगने वाला फल नेचुरल ग्रेनेड है.

इतना खतरनाक है ये पेड़

सैंडबॉक्स को दुनिया के सबसे खतरनाक पेड़ में शामिल किया जाता है. ये पेड़ साठ मीटर तक लंबा हो सकता है. साथ ही इसकी पत्तियां साठ सेंटीमीटर तक बड़ी हो सकती हैं. इस पेड़ में दो तरह के फूल लगते हैं. मेल फ्लावर्स पेड़ के लंबे कांटों में उगते हैं जबकि फीमेल फ्लावर्स इसकी पत्तियों में. इस पेड़ के तने लंबे, नुकीले कांटों से भरे होते हैं जिससे जहर निकलता है. लेकिन इस पेड़ की यूएसपी है इसके फल.

ग्रेनेड की तरह करते हैं ब्लास्ट

इस पेड़ में कद्दू के आकार के फल लगते हैं. ये तीन से पांच सेंटीमीटर तक बड़े होते हैं. यही फल पेड़ का सबसे खतरनाक अंग है. दरअसल, ये फल किसी ग्रेनेड की तरह फूट जाता है. इस धमाके से इसके बीज काफी दूर-दूर तक फ़ैल जाते हैं. लेकिन जिस स्पीड से इसके बीज गिरते हैं, वो इंसान की बॉडी में छेद भी कर सकता है. इस वजह से पेड़ को काफी खतरनाक माना जाता है. लोगों को इससे दूर रहने की सलाह दी जाती है.

रेलवे स्टेशन वो जगह है जहां आप कभी न कभी जरूर गए होंगे, सालों से यात्रा में रेलवे स्टेशन बेहद अहम भूमिका निभाते नजर आए हैं।

ये हैं दुनिया के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन

दुनिया भर में कई खूबसूरत रेलवे स्टेशन मौजूद हैं। कुछ अपनी बनावट और इतिहास को लेकर चर्चित हैं, तो कुछ अपनी आलीशान सुविधाओं के लिए जाने जाते हैं। सालों ये रेलवे स्टेशन लोगों की सेवा करते आ रहे हैं, यही वजह है कि आज दुनिया भर में लगभग हर जगह रेलवे की सुविधा उपलब्ध है। हालांकि रेलवे का इतिहास 50 या 100 साल नहीं बल्कि उससे भी पुराना है, ऐसे में रेलवे के साथ-साथ रेलवे स्टेशन की कहानी भी उतनी ही पुरानी है। हम आपको दुनिया के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों के बारे में बताएंगे, जिन्हें कई सालों पहले तैयार किया गया था। आइए जानते हैं इन पुराने रेलवे स्टेशनों के बारे में

लिवरपूल रोड स्टेशन, इंग्लैंड

लिवरपूल रोड स्टेशन की स्थापना 15 सितंबर 1830 में हुई। बता दें कि इस स्टेशन को दुनिया का सबसे पुराना स्टेशन माना जाता है. हालांकि साल 1975 के बाद यह स्टेशन अब लोगों को सेवाएं नहीं देता है, मगर इस स्टेशन को आज भी पूरी तरह से संरक्षित रखा गया है। साल 1930 में लिवर रोड स्टेशन को लिवरपूल और मैनचेस्टर रेलवे के हिस्से के रूप में तैयार किया गया था, जो कि दुनिया भर में भाप से चलने वाला इंटर-यूब्रान रेलवे था। आज ये ऐतिहासिक इमारत विज्ञान और उद्योग संग्रहालय का हिस्सा है।

ब्रॉड ग्रीन रेलवे स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन को भी 15 सितंबर 1830 में बनाया गया था। इस स्टेशन को भी लिवरपूल और मैनचेस्टर रोड स्टेशन के साथ तैयार किया गया था। बता दें कि 1830 से लेकर अभी तक यह रेलवे स्टेशन लोगों को अपनी सुविधाएं देता आ रहा है। इस कारण इसे दुनिया के सबसे पुराने स्टेशनों की लिस्ट में शामिल किया गया है।

हेक्सहम रेलवे स्टेशन

यह दुनिया का तीसरा सबसे पुराना स्टेशन हैं, लेकिन अब तक सेवा देने वाले स्टेशनों में यह दूसरे स्थान पर आता है। बता दें कि इस स्टेशन को साल 1935 में खोला गया था, जो कि टाइन वैली लाइन पर मौजूद है। हालांकि समय के साथ इस रेलवे स्टेशन का आकार छोटा होता जा रहा है। हाल ही में इस स्टेशन को दोबारा से रीवाइव करने के प्रयास किए गए हैं।

डेप्टफोर्ड रेलवे स्टेशन

डेप्टफोर्ड रेलवे स्टेशन दुनिया के सबसे पुराने स्टेशनों में से चौथे स्थान पर आता है। हालांकि इस स्टेशन ने लंदन के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माना जाता है कि यह शहर का सबसे पुराना ऑपरेटिंग ट्रेन स्टेशन है। बता दें कि इस स्टेशन की शुरुआत साल 1836 में हुई थी। 1915 से 1926 के लिए इस स्टेशन को बंद कर दिया गया था और इसके साथ ही स्टेशन की पुरानी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया था। इसके बाद इस स्टेशन को दोबारा बनाया गया था, हालांकि इस बिल्डिंग को दोबारा साल 2011 में एक बार फिर से स्थापित किया गया।

लंदन ब्रिज रेलवे स्टेशन

इल शानदार ब्रिज स्टेशन को इंग्लैंड की राजधानी शहर के मुख्य भार में तैयार किया गया था। जिस कारण ये दुनिया का सबसे पुराना ऑपरेटिंग ट्रेन स्टेशन है। बता दें कि इस रेलवे स्टेशन को साल 1836 में तैयार किया गया था, हालांकि समय के साथ इस रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण कई बार किया गया। इतना ही नहीं साल 2009 से लेकर 2017 के बीच इस रेलवे स्टेशन के दोबारा निर्माण के लिए करीब 1.25 बिलियन डॉलर का पैसा खर्च किया गया। जिसके साथ यह स्टेशन दुनिया के पुराने स्टेशनों की लिस्ट में शामिल किया गया।

लीवरपूल लाइम स्ट्रीट स्टेशन

इंग्लैंड में स्थित लीवरपूल लाइम स्टेशन की शुरुआत साल 1936 में की थी। इसे दुनिया का सबसे पुराना स्टील-ऑपरेटिंग ग्रैंड टर्मिनस मेन लाइन स्टेशन माना जाता है। बता दें कि इस रेलवे स्टेशन पर लकड़ी का शेड हुआ करता था, जिस वजह से समय-समय पर इसे तोड़कर दोबारा तैयार किया जाता था।

युस्टन रेलवे स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन की शुरुआत साल 1837 में की थी, लेकिन पूर्ण रूप से इस स्टेशन की शुरुआत 1960 में की गई। बता दें कि यह रेलवे स्टेशन वेस्ट कोस्ट मेन लाइन के लिवरपूल लाइम स्ट्रीट , मैनचेस्टर पिकाडिली, एडिनबर्ग वेवर्ली और ग्लासगो सेंट्रल के दक्षिण टर्मिनस के रूप में कार्य करता है। माना जाता है कि यह यूरोप के भव्य रेलवे स्टेशनों में से एक था, लेकिन इसके बावजूद भी साल 1960 के दौर में इसकी इमारत को तोड़कर दोबारा तैयार किया गया।

तुर्की में पानी के नीचे मिला रहस्यमयी महल! 3 हजार साल पुरानी सभ्यता का मंदिर

क्या आपको पता है कि द्वारिका के अतिरिक्त कई अन्य महल भी हैं जो इस समय पानी के अंदर समा गए हैं. एक ऐसे ही 3 हजार वर्ष पुराने महल को तुर्की में ढूंढा गया था. पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान एक झील में 3,000 साल पुराने महल के अवशेष मिले हैं.

तुर्की के पूर्वी वान प्रांत में पुरातत्वविदों ने लेक वैन में पानी के भीतर खुदाई के दौरान 3,000 साल पुराने उरारतु महल के खंडहरों की खोज की थी. तुर्की की सबसे बड़ी और मध्य पूर्व की दूसरी सबसे बड़ी झील की गहराई में मिला यह प्राचीन महल काफी हद तक अच्छी हालत में है. झील में मिले महल के अवशेष एक मुख्य महल से सम्बंधित हैं जो पूर्वी वान प्रांत के गुरपिनार जिले के पहाड़ों के बीच स्थित 8,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है. वहां, टीम को प्राचीन दीवारें, पानी के भंडारण के लिए एक कुंड, और आगे जमीन के भीतर, कुछ चीनी मिट्टी के टुकड़े भी मिले. अब वान झील का वर्तमान जल स्तर कथित तौर पर उरारतु सभ्यता के दौरान की तुलना में कई सौ मीटर अधिक है. विशेषज्ञों के अनुसार झील के आसपास रहने वाली सभ्यताओं ने बड़े गांव और बस्तियां बसाईं, जब झील का जल स्तर कम था, लेकिन फिर से बढ़ने के बाद उन्हें क्षेत्र छोड़ना पड़ा होगा. अनुसंधान यह निर्धारित नहीं कर सका कि महल की कितनी दीवारें पानी में दबी हुई हैं, लेकिन पानी के ऊपर लगभग तीन से चार मीटर दिखाई देती हैं.

अपने अद्वितीय ऐतिहासिक मूल्य के कारण पानी के नीचे के खंडहरों से हजारों पर्यटकों को आकर्षित करने की उम्मीद जताई जा रही है. लेक वैन तुर्की की सबसे बड़ी झील है और मध्य पूर्व में दूसरी सबसे बड़ी झील है. यह दुनिया की सबसे बड़ी सोडियम वाटर झील भी है. झील ईरान के साथ सीमा के पास पूर्वी अनातोलियन क्षेत्र के ऊंचे मैदानों पर स्थित है. यह वैन प्रांत के पास माउंट नेम्रुट के ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बने क्रेटर द्वारा बनाई गई थी.

इसी सभ्यता का एक 2,800 साल पुराना ओपन एरिया मंदिर भी उरारतु काल का खोजा गया है. माना जाता है कि इसका उपयोग दक्षिण-पश्चिमी भाग में धार्मिक समारोहों में किया जाता था. उरारटियन कई देवताओं को पूजते थे इसलिए संभावना है कि अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर रखा गया हो. फिलहाल पुरातत्वविदों का मानना है कि यहां युद्ध के देवता के नाम पर समारोह आयोजित किये जाते थे.

क्या आपको मालूम है इन भारतीय शहरों के नाम पर विदेशों में भी हैं शहर

भारत में आपको एक ही शहर के नाम दूसरे राज्यों में भी सुनने को मिल जाते होंगे, लेकिन क्या आपने कभी ये सुना है कि भारतीय शहरों के नाम पर विदेशों में भी शहर हैं। जी हां, विदेशों में कई जगहें ऐसी हैं जिनका नाम भारतीय शहरों के नाम पर रखा गया है। दिल्ली और पटना इसी के उदहारण है, जिनका नाम आपको विदेशों में भी मिल जाएगा। भारत के कुछ ऐसे शहर जिनके नाम के विदेशों में भी शहर है। तो चलिए जानते हैं-

लखनऊ - उत्तर प्रदेश की राजधानी, जिसे नवाबों का शहर भी कहा जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि अमेरिका में भी एक शहर का नाम है लखनऊ। जी हां, अमेरिका में भी लखनऊ है जिसे कैसल इन द क्लाउड्स के भी नाम से जाना जाता है।

पटना - बिहार की राजधानी पटना, लेकिन क्या आपको मालूम है इस पटना के अलावा भी एक और पटना स्कॉटलैंड देश में है। जी हां, स्कॉटलैंड के ईस्ट एरीशायर में एक शहर है जिसका भी नाम पटना है। कहा जाता है कि जब स्कॉटलैंड में ईस्ट इंडिया कंपनी के लोग भारत से वापिस लौटे तो उन्होंने अपने शहर में इसी पटना के नाम पर एक शहर बसा लिया।

कोलकाता - ब्रिटिश काल में इसे कलकत्ता के नाम से जाना जाता था, जिसे अब कोलकाता के नाम से जाना जाता है। ये शहर ब्रिटिश काल में भारत की राजधानी भी रही है। एक कोलकाता अमेरिका में भी है, जिसे कोटा टाउन और इंडियाना के नाम से भी जाना जाता है।

हैदराबाद - हैदराबाद भारत के प्रमुख शहरों में से एक और तेलंगाना की राजधानी है, लेकिन क्या आपको मालूम है पाकिस्तान में भी एक हैदराबाद है। जी हां, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक शहर है जिसका नाम हैदराबाद है।

ठाणे - महाराष्ट्र के ठाणे का नाम आपने ज़रूर सुना होगा। दूसरा ठाणे शहर ऑस्ट्रेलिया में है। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड शहर में है ये दूसरा ठाणे।

कोच्चि - भारत में कोच्चि को कोचीन के नाम से भी जाना जाता है। ये शहर प्रमुख रूप से बंदरगाह यानि पोर्ट के लिए भी भारत में जाना जाता है। यहां ऐसे कई बंदरगाह है जहां विदेशों से भी कंटेनर आते हैं, लेकिन आपको मालूम है जापान में भी एक कोचीन है, जो एक आइलैंड पर बसा हुआ है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा
(कप्तान)

हार्दिक पंड्या
(उपकप्तान)

यशस्वी
जायसवाल

विराट
कोहली

सूर्यकुमार
यादव

संजू
सैमसन

ऋषभ
पंत

शिवम
दुबे

रवींद्र
जडेजा

अक्षर
पटेल

कुलदीप
यादव

युजवेंद्र
चहल

अर्शदीप
सिंह

जसप्रीत
बुमराह

मोहम्मद
सिराज

रिजर्व

शुभमन
गिल

खलील
अहमद

रिंकू
सिंह

आवेश
खान

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। बीसीसीआई ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी में 15 मेंबर्स वाला स्कॉड जारी किया है।

आईपीएल में बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन और ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की कैटेगरी में हार्दिक पंड्या के साथ-साथ शिवम दुबे भी चुने गए हैं। शुभमन गिल और रिंकू सिंह मुख्य स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाए हैं। ये ट्रैवलिंग रिजर्व का हिस्सा बनाए गए हैं।

पाकिस्तान से 9 जून को भिड़ेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

कनाडा और अमेरिका के बीच होगा ओपनिंग मैच

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच डलास में होगा। फाइनल मैच 29 जून को वेस्टइंडीज के बारबाडोस शहर में होगा। सुपर-8 और नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होंगे।

17 जून तक होंगे ग्रुप स्टेज के मुकाबले

टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के मुकाबले 2 से 17 जून तक होंगे। 19 से 24 जून तक सुपर-8 स्टेज के मुकाबले होंगे। फिर 26 जून से नॉकआउट स्टेज शुरू होगा।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 बार जीता है खिताब

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

इंग्लैंड डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने 2022 में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार खिताब जीता था। इससे पहले 2010 में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी। वेस्टइंडीज भी 2012 और 2016 में 2 बार खिताब जीत चुकी है। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने एक-एक बार विजेता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

आईपीएल प्लेऑफ के करीब पहुंची केकेआर, इन टीमों पर अभी भी संकट के बादल

नईदिल्ली, एजेंसी। जीत के रथ पर सवार हुई ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अब एक और हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ में जाने की संभावनाओं को और भी मजबूत कर लिया है। खास बात ये है कि अब तक लीग में 47 मुकाबले हो चुके हैं, लेकिन ना तो कोई टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है और ना ही कोई टीम इसमें एंट्री कर पाई है। आने वाले वक्त में मैच और भी रोचक होने की उम्मीद है।

राजस्थान रॉयल्स अभी भी टेबिल टॉपर

आईपीएल की ताजा अंक तालिका पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस वक्त टॉप पर चल रही है। टीम ने 9 में से अपने 8 मुकाबले जीते हैं और 16 अंकों के साथ टॉप पर चल रही है। टीम को प्लेऑफ में जाने के लिए यहां से बस एक और मैच जीतना जरूरी होगा।

वहीं डीसी पर जीत हासिल करने के बाद केकेआर की टीम अभी भी दूसरे नंबर पर है। केकेआर ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं, इसमें से 6 जीतकर उसके पास कुल 12 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच गिलेस्पी ने कहा

वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच के रूप में उनका सिद्धांत यह होगा कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश न करें जो वो नहीं हैं। पाकिस्तान के टेस्ट कोच के रूप में गिलेस्पी का पहला कार्यभार अगस्त में बांग्लादेश के साथ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है।

यह पहली बार है कि गिलेस्पी किसी अंतरराष्ट्रीय टीम के कोच होंगे। इससे पहले वह यॉर्कशायर के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं, साथ ही ससेक्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया को भी कोचिंग दे चुके हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स (पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब) और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ टी20 कोचिंग भूमिकाएं भी निभाईं। जेसन गिलेस्पी ने कहा, देखो, मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए यही महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो! टेस्ट क्रिकेट प्रारूप की लोकप्रियता में योगदान देने पर, गिलेस्पी ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है।

यह शारीरिक और मानसिक रूप से आपके खेल के हर हिस्से का टेस्ट लेता है। यह टेक्नीक का परीक्षण करता है और यही सच्ची परीक्षा है। आपको केवल दुनिया भर के खिलाड़ियों से बात करनी है और वे सभी टेस्ट खेलना पसंद करते हैं। हम प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, मीडिया, सभी को इसका लुत्फ उठाते देखते हैं। इससे पता चलता है कि विश्व कैलेंडर में टेस्ट क्रिकेट को कितना महत्व दिया जाता है।

हम सभी समझते हैं कि एक वर्ष में केवल 12 महीने होते हैं, और सभी घरेलू प्रतियोगिताओं और विशेष रूप से आसपास होने वाली टी 20 प्रतियोगिताओं के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी तीन प्रारूपों को फिट करने का दबाव होता है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट हमेशा रहेगा यह उसकी अपनी जगह है। मैं वास्तव में टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की यात्रा में अपनी भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हूं।

थॉमस कप बैडमिंटन

भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में आखिरी ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराया, अब मुकाबला इंडोनेशिया से होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सोमवार को चेंगदू, चीन में अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया ने भिड़ेगा। थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट दो टीमों के एक मुबाले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं।

एचएस प्रणय ने जीता पहला मैच

भारत-इंग्लैंड मुकाबले की शुरुआत सिंगल्स मैच से हुई। भारत की ओर से वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय उतरे। वहीं, इंग्लैंड के लिए दुनिया के 106वें नंबर के खिलाड़ी हैरी हुआंग आए। प्रणय ने यह मैच 42 मिनट में 21-15, 21-15 से जीत लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी तीन गेम में जीती

दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं रैंकिंग वाली जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी को हराया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला एक घंटा और पांच मिनट में 21-17, 19-21, 21-15 से जीता।

तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराया। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया था। चौथे मैच में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने 209वें नंबर के चोलन कायान को 21-18, 21-12 से हराया।

साल 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप जीता था। भारत ने फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था। 1948-1949 के बाद से आयोजित 30 थॉमस कप टूर्नामेंटों में से केवल छह देशों ने खिताब जीता है। इंडोनेशिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 बार जीत हासिल की है। चीन, जिसने 1982 से पहले प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं की थी, 10 खिताबों के साथ इंडोनेशिया से पीछे है, जबकि मलेशिया ने 5 खिताब जीते हैं।

पाकिस्तान को कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी दिलाना चाहते हैं कोच गैरी क्सर्टन, टी20 विश्व कप को लेकर कही यह बात

कराची, एजेंसी। क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था।

पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी क्सर्टन चाहते हैं कि उनकी टीम अगले तीन साल में आईसीसी के तीन टूर्नामेंट्स में से कम से कम एक ट्रॉफी जीते। कर्स्टन इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा 2025 में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम की कोचिंग करते दिखेंगे। भारत की विश्व कप (2011) विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके क्सर्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम इन तीन में से कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।

वनडे-टी20 में पाकिस्तान के हेड कोच हैं क्सर्टन

मौजूदा समय में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

पाकिस्तान टीम के साथ यह है क्सर्टन का लक्ष्य

कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा- अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी।

इब्राहिम अली खान ने किया इंस्टाग्राम पर डेब्यू

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान ने फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम डेब्यू किया है। उनका पहला एक पोस्ट ही काफी वायरल हो चुका है। इसमें उन्होंने चार फोटो की सीरीज शेयर की है।

साथ ही 41 लोगों को फॉलो किया है। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के बड़े सुपुत्र इब्राहिम इली खान ने 30 अप्रैल को फैन्स का दिन बना दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम डेब्यू किया, जिसेक बाद तो फॉलोवर्स की संख्या देखते ही बनी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पहले अपना एक अकाउंट बनाया हुआ था लेकिन वो प्राइवेट कर रखा है।

फिल्म इंडस्ट्री में अपना हक नहीं मिला, फ्लॉप फिल्मों की कतार लगाने पर छलका इलियाना का दर्द

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी की है। इस साल मार्च महीने में आई फिल्म तेरा क्या होगा लवली के जरिए उनके फैंस का उन्हें पर्दे पर देखने का इंतजार खत्म हुआ था। अब उनकी एक और नई फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो चुकी है। अब हाल ही में, इलियाना ने अपने फ्लॉप फिल्मी करियर पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज ने कहा है कि उन्हें इंडस्ट्री में उचित सम्मान नहीं मिला है और उनके अधिकांश काम पर किसी का ध्यान नहीं गया। अभिनेत्री ने अगस्त 2023 में अपने पहली प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद से सुर्खियों से दूर थीं। हाल ही में, उन्हें तेरा क्या होगा लवली और दो और दो प्यार में देखा गया था, लेकिन दोनों फिल्में छाप छोड़ने में असफल रहीं।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में इलियाना ने खुलासा किया है कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि इंडस्ट्री में उन्हें उनका हक नहीं मिला है। अभिनेत्री ने कहा, अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार हूं, तो नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता कि मुझे मेरा हक मिल गया है। मुझे लगता है कि मैंने जो बहुत सारा काम किया है, उस पर किसी का ध्यान नहीं गया है। और मैं नहीं जानती क्यों।

छह साल तक साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने के बारे में बात करते हुए इलियाना ने कहा, इसका मतलब बदलाव नहीं था। मैं एक हिंदी फिल्म कर रही थी क्योंकि मुझे कहानी के तौर पर बर्फी बहुत पसंद थी। मैंने ऐसा सोचा था।

साउथ एक्ट्रेस टैग के चलते बॉलीवुड में काम मिलने में आ रही परेशानियां : सीरत कपूर

एक्ट्रेस सीरत कपूर का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रॉकस्टार में असिस्टेंट कोरियोग्राफर के रूप में सिनेमा में अपनी जर्नी शुरू करने वाली सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है। दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी। उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोड़ना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। सीरत ने कई तेलुगु फिल्मों में काम किया है, जैसे रन राजा रन, टाइगर, राजू गरी गांधी 2, ओक्का क्षणम और मां विंता गाधा विनुमा आदि। 2022 में, उन्होंने तुषार कपूर के साथ मारीच के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभाग, तीनों के कुतर्क; एमसीडी स्कूल मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी स्कूल के छात्रों के हितों को देखते हुए सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने छात्रों की दुर्दशा को लेकर उपराज्यपाल, दिल्ली सरकार व दिल्ली नगर निगम द्वारा एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़े जाने पर नाराजगी जाहिर की। तीनों पक्षों को सत्ता व नियंत्रण की लड़ाई में उलझे होने का हवाला देते हुए निगम आयुक्त को छात्रों के हितों की रक्षा के लिए असीमित खर्च करने की अनुमति दे दी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने छात्रों के भविष्य व उनकी पढ़ाई को सुचारु रखने के मद्देनजर दिल्ली नगर निगम आयुक्त को अतिरिक्त शक्ति प्रदान की है। पीठ ने निगम आयुक्त को कहा कि वह पांच करोड़ रुपये की सीमा से बंधे ना रहें। छात्र हितों को देखते हुए वह असीमित खर्च करें और छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तक, नोटबुक, वर्दी आदि की व्यवस्था करें। पीठ ने कहा, उनका मानना है कि मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति, स्थायी समिति का गठन ना होना अथवा उपराज्यपाल द्वारा एल्डरमैन की नियुक्ति करना या इस पर निर्णय ना करना जैसे मुद्दे शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पढ़ाई के आड़े नहीं आ सकते। मुद्दा उठाने वाले अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने कहा कि यह आठ लाख छात्रों की जीत है। पीठ ने कहा कि मामला सुनने के बाद पता चलता है कि असल मसला सत्ता व नियंत्रण का है। तीन जिम्मेदार विभाग हैं। तीनों के अपने कुतर्क हैं। उपराज्यपाल, दिल्ली सरकार व दिल्ली नगर निगम ने इस मुद्दे को सत्ता का अखाड़ा बना दिया है, जबकि उन्हें छात्रों को उचित शिक्षा देने के रास्ते तलाशने चाहिए थे। इसके विपरीत ये एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। इस तरह लोकतांत्रिक नियंत्रण खतरे की घंटी हो साबित हो सकता है। वहीं, एक गैर सरकारी संगठन सोशल ज्यूरिस्ट के अधिवक्ता अशोक अग्रवाल हैं, जो निगम के बदहाल स्थिति में स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों की मूल समस्या को लेकर उच्च न्यायालय तक आए हैं।

दिल्ली के निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस सीटों पर दाखिले के लिए कर सकेंगे आवेदन

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के निजी स्कूलों की नर्सरी से पहली कक्षा की आरक्षित आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस)/वंचित वर्ग (डीजी) और दिव्यांग श्रेणी की सीटों पर मंगलवार से दाखिला की दौड़ शुरू हो रही है। अभिभावक एक मोबाइल नंबर का उपयोग करके केवल एक ही पंजीकरण कर सकेंगे। प्रक्रिया से संबंधित संचार केवल पंजीकृत नंबर होगा। एक से अधिक आवेदन करने पर उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी। भले दाखिला के लिए कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ में नंबर आ गया हो। आवेदन के समय माता-पिता/अभिभावक का आधार कार्ड नंबर देना अनिवार्य है। इस बार निदेशालय ने आवेदन के लिए बच्चों के आधार कार्ड की अनिवार्यता खत्म कर दी है। वहीं, पंजीकरण फॉर्म में घर का पता भरने को लेकर कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इलाके वाले विकल्प में क्षेत्र, उप-स्थान/उप-उप स्थान वाले विकल्प में गांव/कॉलोनी/ अपार्टमेंट /सेक्टर /पॉकेट /ब्लॉक/गली आदि का विवरण देना होगा। आवेदन जमा होने के बाद उसमें कोई बदलाव नहीं कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तारीख 15 मई है, जबकि 20 मई को पहला कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ निकाला जाएगा। वहीं, प्रक्रिया से जुड़ी शिकायतों और प्रश्नों को लेकर हेल्पलाइन नंबर 9818154069 पर सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक के बीच सोमवार से लेकर शुक्रवार में कॉल कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने जारी दिशानिर्देशों में वार्षिक आयसीमा को लेकर भी स्थिति स्पष्ट कर दी है। दरअसल, कोर्ट ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी को लेकर आय सीमा ढाई लाख कर दी थी। इसको लेकर अभिभावक असमंजस की स्थिति में थे। निदेशालय के अनुसार, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत आवेदन के लिए वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम होनी चाहिए। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाणपत्र मान्य होगा।

देवेंद्र यादव या राजेश लिलोठिया हो सकते हैं दिल्ली कांग्रेस के नए अध्यक्ष

लवली को पार्टी से निकालने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद दिल्ली के पूर्व विधायक देवेंद्र यादव और राजेश लिलोठिया दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के संभावित दावेदार माने जा रहे हैं। डीपीसीसी सूत्रों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि देवेंद्र यादव या लिलोठिया में से कोई एक लवली की जगह ले सकता है। पार्टी से जुड़े कुछ नेताओं का मानना ??है कि इस पद के लिए अभिषेक दत्त के नाम पर भी विचार किया जा सकता है।

लवली ने शनिवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली कांग्रेस लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन के खिलाफ थी, लेकिन पार्टी आलाकमान इस पर आगे बढ़ गया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे अपने इस्तीफे में, लवली ने यह भी कहा कि वह खुद को असहाय पाते हैं क्योंकि दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिए गए सभी सर्वसम्मत निर्णयों को एआईसीसी दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया द्वारा एकतरफा वीटो कर दिया गया।

खड़गे से लवली को पार्टी से निकालने का आग्रह

डीपीसीसी के पूर्व प्रमुख अनिल चौधरी ने सोमवार को खड़गे से लवली को पार्टी से निकालने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि लवली ने जो किया वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह सूरत में कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी ने भाजपा के साथ मिलकर उन्हें वॉकओवर दिया, लवली ने भी भाजपा के साथ मिलकर ऐसा ही किया है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं अपने नेता

आदरणीय खड़गे जी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल जी से अनुरोध करता हूं कि वे अरविंदर लवली को तत्काल प्रभाव से पार्टी से बाहर निकालें। संगठन सर्वोपरि है।

आप नेता संजय सिंह ने कांग्रेस के साथ आप के लोकसभा चुनाव गठबंधन के लिए सोमवार को लवली की सराहना की। संजय सिंह ने कहा कि राजधानी में कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी के लोकसभा चुनाव गठबंधन का श्रेय भी लवली को जाता है।

जब राज्यसभा सांसद से कांग्रेस नेता के इस्तीफे पर टिप्पणी मांगी गई तो उन्होंने कहा कि मैं यह जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि लवली ने कांग्रेस के साथ हमारे गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे अब उनके विपरीत विचारों के कारणों की जानकारी नहीं है।

संजय सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लवली ने कहा कि संजय सिंह एक अच्छे इंसान हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी भी सदमे में हैं। जेल से बाहर आने के बाद वह सामान्य नहीं हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि जब अप्रैल में इंडिया ब्लॉक का गठन हुआ था, तब मैं दिल्ली कांग्रेस का अध्यक्ष नहीं था। जब बेंगलुरु में ब्लॉक की दूसरी बैठक हुई थी तब भी मैं अध्यक्ष नहीं था।

लवली ने कहा कि मुंबई में तीसरी बैठक के दौरान भी वह अध्यक्ष नहीं थे। उन्होंने कहा कि जब वह अध्यक्ष बने तो दुर्भाग्य से संजय सिंह को जेल भेज दिए गए थे। उन्होंने कहा कि संजय को कैसे पता चला कि मैं गठबंधन का आर्किटेक्ट था? इसका मतलब है कि जेल में कोई था जो उन्हें बाहर लाता था।

केजरीवाल और आतिशी की बढ़ीं मुश्किलें, मानहानि का केस दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की चुनी हुई सरकार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा गिराए जाने की कोशिश के दावों को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी कैबिनेट मंत्री आतिशी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया है। आम आदमी पार्टी ने कई बार दावा किया है कि बीजेपी उनके विधायकों को तोड़ने की कोशिश रही है। उन्हें करोड़ों रुपए और पद का ऑफर दिया जा रहा है। दिल्ली बीजेपीके मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने यह शिकायत दर्ज की है।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तान्या बामनियाल को सौंपी गई अपनी शिकायत में कपूर ने कहा है कि दोनों आप नेताओं ने बीजेपी को लेकर 'झूठे, मनगढ़ंत और गलत बयान' दिए। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 'आप नेताओं ने दिल्ली सरकार को गिराने के मकसद से बीजेपी द्वारा विधायकों को तोड़ने या खरीदने का आरोप आम जनता में बीजेपी और उसके कार्यकर्ताओं की प्रतिष्ठा को कम करने के गलत इरादे से लगाया है। बीजेपी नेता ने अपनी शिकायत में कहा है, 'इस तरह के दुर्भावनापूर्ण/निंदनीय बयानों से, आप और आपके सहयोगी (नेता) बीजेपी और उसके सदस्यों को बदनाम कर रहे हैं। वे इस तरह के झूठे बयान देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करके राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश करते है। वे इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस तरह की खबरें चलाई जाएंगी क्योंकि आप न केवल विधायक हैं, बल्कि दिल्ली सरकार में मंत्री भी हैं।'

मजिस्ट्रेट ने दोनों नेताओं को समन करने से पहले सबूत देने के लिए मामले को 4 मई के लिए सूचीबद्ध किया है। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, बीजेपी ने आतिशी के दावे के बाद उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा था। दिल्ली शिक्षा मंत्री ने दावा किया था कि उन्हें उनके एक करीबी के जरिए कहा गया है कि अपना राजनीतिक जीवन बचाना है तो बीजेपी में शामिल हो जाओ वरना एक महीने के अंदर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी ने दावा किया था कि ईडी उन्हें और आप नेता सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है।

बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रुक-रुककर धधक रही आग, लोगों का जीना हुआ मुहाल; सांसों में घुला जहर

नईदिल्ली, एजेंसी। बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर निगम अधिकारी आग की घटनाओं पर काबू नहीं पा रहे हैं। रविवार को दिन में दो बार और सोमवार को एक बार बंधवाड़ी प्लांट में एक बार फिर से आग धधक गई। 23 अप्रैल से लगातार रुक-रुक कर लैंडफिल साइट पर आग धधक रही है। आग के कारण आसपास के दस से ज्यादा गांव के लोग धुएं से परेशान हैं। लगातार एनजीटी की सख्ती के बाद भी निगम अधिकारियों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। निगम अधिकारी आग पर काबू पाने के लिए सिर्फ फाइलों तक ही सीमित है। लगातार लैंडफिल साइट पर लग रही आग के कारण आसपास के दस से ज्यादा गांव के लोगों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर बीते 28 दिनों में 20 से ज्यादा बार आगजनी की घटना हो चुकी है। इसमें पांच बड़ी आगजनी की घटनाएं भी शामिल है। रविवार को बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर दो बार आग सुलगी। पहली बार दोपहर पौने एक बजे लगी। दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। दमकल विभाग के दो फायर टेंडर ने एक घंटे में इस आग पर काबू पाया। इसके बाद तीन बजकर 15 मिनट पर फिर आग सुलग गई। इस पर दमकल एक फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया। इसके बाद सोमवार को भी एक बार आग सुलगी, लेकिन इसे 15 मिनट में ही आग पर काबू पाया। बतादें कि लगातार कूड़े के पहाड़ों से सुलगती आग और उठता धुआं लोगों की सांसो में जहर घोलने का काम कर रहा है। 23 अप्रैल को लैंडफिल साइट पर 24 घंटे तक आग सुलगती रही। दमकल विभाग के 13 से ज्यादा गाड़ियों ने 24 घंटे के बाद आग पर काबू पाया था। लैंडफिल साइट पर लगी आग की इस घटना पर स्वयं संज्ञान लेते हुए निगम समेत छह विभागों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर दिया है। इसको लेकर जवाब दाखिल करने के लिए एनजीटी ने सभी चार सप्ताह का समय दिया है।

वहीं, अरावली वन क्षेत्र में स्थित बंधवाड़ी प्लांट में आग लगने से अरावली के जंगल क्षेत्र में काफी प्रदूषण फैल गया। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड किनारे बंधवाड़ कूड़े का ऊंचा पहाड़ बना हुआ है। सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी धुएं के कारण परेशानी हुई। लगातार आगजनी के कारण गांव में धुंध छाई रहती है। आंखों में भी जलन हो रही है।

पश्चिमी अफगानिस्तान में हमला, नमाज के दौरान शिया मस्जिद में गोलीबारी, 6 नमाजियों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पश्चिमी अफगानिस्तान में एक बंदूकधारी ने शिया मस्जिद के अंदर गोलीबारी कर 6 नमाजियों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिस वक्त मस्जिद के अंदर गोलीबारी की घटना हुई। उस वक्त लोग नमाज पढ़ रहे थे। इस हमले में छह लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

तालिबान के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और अफगानिस्तान के एक पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि हमलावर ने मस्जिद को इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि यह शिया मस्जिद है। तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी के मुताबिक, हमला सोमवार रात हेरात प्रांत के गुजरा जिले में हुआ।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जांच चल रही है। किसी ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस हमले में एक अन्य उपासक भी घायल हो गया और हमलावर घटनास्थल से भाग गया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारे गए लोगों में मस्जिद के इमाम भी शामिल हैं।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने

एक्स पर कहा, मैं इमाम जमान मस्जिद पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं इस आतंकवादी कृत्य को सभी धार्मिक और मानवीय मानकों के खिलाफ मानता हूं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह का सहयोगी तालिबान का एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है और अक्सर देशभर में स्कूलों, अस्पतालों, मस्जिदों और शिया क्षेत्रों को निशाना बनाता है। 20 साल के युद्ध के बाद देश से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की अराजक वापसी के आखिरी हफ्तों के दौरान, अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

अधिक उदार रुख के शुरुआती वादों के बावजूद तालिबान ने धीरे-धीरे इस्लामी कानून या शरिया की कठोर व्याख्या को फिर से लागू किया, जैसा कि उन्होंने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान के अपने पिछले शासन के दौरान किया था।

चीन ने कोरोना पर जानकारी पब्लिश करने वाले वैज्ञानिक को लैब से निकाला

वायरोलॉजिस्ट ने डिलीट किया ऑनलाइन पोस्ट

शंघाई , एजेंसी। इंगलैंड से कोरोना वैक्सीन कोवशिील्ड पर चौंकाने वाली जानकारी सामने आने के बाद चीन में कोरोना पर रिसर्च में शामिल वैज्ञानकि को लैब से बाहर निकालने का मामला सामने आया है। चीन में कोविड-19 वायरस के एक अनुक्रम को प्रकाशित करने वाले पहले वैज्ञानिक उन्हें अपनी प्रयोगशाला से निकाले जाने के बाद रविवार से धरने पर बैठे थे। इससे जुड़ी एक ऑनलाइन पोस्ट उन्होंने डिलीट कर दी। वायरोलॉजिस्ट झांग योंगझेन ने सोमवार को एक ऑनलाइन पोस्ट में लिखा कि उन्हें और उनकी टीम को अचानक जानकारी दी गई कि उन्हें उनकी प्रयोगशाला से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने पहली बार जनवरी 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस पर अनुक्रम (सीक्वेंस) प्रकाशित किया था। इस कदम से पता चलता है कि कैसे चीनी सरकार ने कोरोनो वायरस प्रकोप से निपटने की जांच से बचने के लिए वैज्ञानिकों पर दबाव और नियंत्रण बनाए रखा है। झांग ने यह पोस्ट चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर लिखा था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। बारिश के बावजूद झांग रविवार से अपनी प्रयोगशाला के बाहर बैठे थे। झांग से जब मंगलवार को फोन पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कहा कि उनके लिए कुछ भी कहना असहज है, लेकिन सोमवार को समाचार एजेंसी एपी के एक सहयोगी ने पुष्टि की कि विरोध हो रहा था।

नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार ! अरेस्ट वारंट से भड़का अमेरिका, दी अंजाम भुगतने की चेतावनी

येरुशलम, एजेंसी। गाजा पट्टी में भीषण नरसंहार के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ऐक्शन हो सकता है। रिपोर्ट है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाली है। वारंट सिर्फ नेतन्याहू ही नहीं इजरायली रक्षा मंत्री और आईडीएफ चीफ के खिलाफ भी जारी हो सकता है। आईसीसी के इस कदम ने अमेरिका को भड़का दिया है। उसने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो आईसीसी अंजाम भुगतने को तैयार रहे।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना के कत्लेआम से मरने वालों की तादाद 34 हजार पार कर गई है। गाजा में मरने वालों में ज्यादातर निर्दोष बच्चे और महिलाएं हैं। गाजा पर जमीनी और हवाई ऑपरेशनों रोकने के लिए यूएन समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठन

आवाज उठा चुके हैं लेकिन, नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे नहीं किए।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में दोनों पार्टियों के सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को चेतावनी दी है कि यदि शीर्ष इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया तो वाशिंगटन अदालत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। बता दें कि आईसीसी नेतन्याहू, इजरायली रक्षा मंत्री समेत आईडीएफ चीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले पर आईसीसी ऐक्शन लेने की तैयारी कर रहा है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि आईसीसी अधिकारियों को मंजूरी देने के लिए एक विधेयक पास होने की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को लगता है कि उसकी धमकी के बाद आईसीसी अपने कदम वापस ले सकता है। अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने गाजा युद्ध के लिए नेतन्याहू के गिरफ्तारी वारंट जारी करने को लेकर आईसीसी की निंदा की है।

जॉनसन ने एक बयान में कहा, यह अपमानजनक है कि आईसीसी कथित तौर पर इजरायल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के खिलाफ निराधार गिरफ्तारी वारंट जारी करने की योजना बना रहा है। आईसीसी की ऐसी अराजक कार्रवाई सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को कमजोर करेगी। यदि बाइडेन प्रशासन द्वारा चुनौती नहीं दी गई, तो आईसीसी अमेरिकी नेताओं, हमारे राजनयिकों और सैन्य कर्मियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकती है। इससे हमारे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ सकती है।

पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका आईसीसी

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आईसीसी ने किसी देश के सर्वोच्च नेता पर इस तरह का ऐक्शन लिया हो। इससे पहले आईसीसी ने यूक्रेन पर युद्ध के आरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस ऐक्शन के तहत आईसीसी के नियमों को मानने वाले किसी भी देश के दौरे पर उस नेता पर गिरफ्तारी का खतरा रहता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।